हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 235, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 26 फरवरी, 2024 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

युवाओं के साथ 'पाप' करने वाले न घर के रहेंगे न घाट के

पेपर लीक करने वालों को सीएम योगी की दो टूक, कार्रवाई ऐसी होगी कि नजीर बने

लखनऊ। पुलिस भर्ती परीक्षा में कथित प्रश्नपत्र लीक मामले में सीएम योगी ने ऐसे तत्वों को खुली चेतावनी दी है जो युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं। सीएम योगी ने दो टूक कहा है कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करना राष्ट्रीय पाप है और इसमें लिप्त लोगों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि वो ना घर के रहेंगे ना घाट के। ऐसे तत्वों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई भविष्य के लिए नजीर के रूप में याद रखी जाएगी। रविवार को लोकभवन में विभिन्न विभागों में करीब 18 सौ पदों पर निष्पक्ष और परदर्शी ढंग से चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपने के उपरांत सीएम योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हमारा पहले दिन से ही संकल्प है कि नियुक्ति की प्रक्रिया अगर ईमानदारी से आगे नहीं बढ़ पा रही है तो ये युवाओं के साथ खिलवाड़ है और अपनी प्रतिभा को पलायन के लिए मजबूर करता है। अगर युवा के साथ अन्याय होता है तो यह राष्ट्रीय पाप है। पहले दिन से ही हमने तय किया है कि युवाओं के जीवन और भविष्य के साथ जो भी खिलवाड़ करेगा हम जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर उन तत्वों से उतनी ही सख्ती और कठोरतम तरीके से निपटने का काम करेंगे। हमारे युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सरकार पहले भी कार्रवाई करती रही है और एक बार फिर कड़ी कार्रवाई करने जा रही है। सीएम योगी ने कहा कि हम सभी तकनीक का उपयोग करते हैं, इसी तरह ऐसे तत्व भी तकनीक का उपयोग गलत कार्य के लिए करते। कई बार सोचता हूं कि वो लोग तकनीक का इस्तेमाल करके अच्छे काम करते तो आगे बढ़ते और खुशहाल होते। मगर अब वे न घर के रहेंगे न घाट के और सरकार की कार्रवाई ऐसी होगी कि जो दूसरों के लिए नजीर बनेगी। मुख्यमंत्री ने अलग अलग विभगों में चयनित युवाओं को प्रदेश की सेवाओं में आने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का विजन ही डबल इंजन सरकार का मिशन भी है। निष्पक्षता और पारदर्शी तरीके से हर नौजवान को उसका अधिकार प्राप्त हो सके, सरकार इसके लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उसी का परिणाम है कि पिछले 7 साल में 6 लाख से अधिक युवाओं को अबतक प्रदेश के शासकीय विभागों में नौकरियां प्रदान की गई हैं। नियुक्ति की प्रक्रिया सभी आयोगों और बोर्डों के माध्यम से निरंतर जारी है। एक तरफ सरकारी विभागों में पूरी सुचिता और पारदर्शिता पूर्ण तरीके से नियुक्ति की प्रक्रिया को संपन्न किया जा रहा है, वहीं नौकरी और रोजगार की नई संभावनाओं के लिए जो प्रयास प्रारंभ किये गये हैं उनके सार्थक परिणाम हमें देखने को मिल रहे हैं। सीएम योगी ने यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2023 के दौरान मिले 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव और ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी 2024 के दौरान 10 लाख 24 हजार करोड़ के निवेश के शिलान्यास को प्रदेश की बदलती तस्वीर के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा कि इन निवेशों की वजह से प्रदेश के 34 लाख नौजवानों को सीधे सीधे नौकरी और रोजगार के अवसर मिलेंगे। ये 34 लाख युवा पहले नौकरी और रोजगार की तलाश में महाराष्ट्र, दिल्ली, बेंगलूरु, तमिलनाडु जाता, मगर आज उसे कहीं जाने की जरूरत नहीं है, उसे अपने जिले और अपने प्रदेश में नौकरी मिल रही है। सीएम योगी ने नवचयनित अभ्यर्थियों से अपील की कि वे ईमानदारी पूर्वक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए प्रदेश और देश के विकास पर अपना फोकस रखें।

फिर एक बार संदेशखाली पहुंचे राज्य मंत्री, बोले- भाजपा का काम है आरोप लगाना

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के मंत्री उत्तर 24 परगना के हिंसाग्रस्त क्षेत्र संदेशखाली पहुंचे। वहीं राज्य मंत्री सुजीत बोस का मानना है कि भाजपा लगातार तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर आरोप लगा रही है। उन्होंने बताया कि टीएमसी अपना काम कर रही है। मीडिया से बात करते हुए सुजीत बोस ने कहा, "भाजपा लगातार आरोप लगा रही है। इससे फर्क नहीं पड़ता। म अपना काम कर रहे हैं। हम चाहते हैं कि मतदान शांतिपूर्वक हो।" उन्होंने आगे कहा, हमने गांववालों से बात की है और उनकी समस्याओं को लिखित में लिया है। हमने उन्हें जल्द ही समाधान का आश्वासन दिया है। संदेशखाली दौरे पर टीएमसी नेता पार्थ भौमिक ने कहा, मैं लोगों से बात कर रहा हूं और उनकी शिकायतें सुन रहा हूं। ये हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनकी समस्याओं को सुलझाएं। इससे पहले संदेशखाली में पीड़ितों से मिलने के लिए फैक्ट फाइंडिंग (तथ्य जांचने वाली टीम) टीम बंगाल दौरे पर थी, लेकिन पुलिस ने टीम को संदेशखाली पहुंचने से पहले ही रोक दिया। इसके विरोध में फैक्ट फाइंडिंग टीम विरोध में वहीं पर धरने पर बैठ गई। हंगामे के बाद पुलिस ने टीम के सभी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। छह सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम का नेतृत्व पटना हाईकोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस एल नरसिम्हा रेड्डी कर रहे हैं। पुलिस ने संदेशखाली में धारा 144 लागू होने का हवाला देकर फैक्ट फाइंडिंग को रोका।

कौशाम्बी में धमाका : पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, चार लोगों की मौत, 18 झुलसे

कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र में भरवारी कस्बे के वार्ड नंबर 23 में एक पटाखा फैक्टरी में रविवार को सुबह करीब 11.30 बजे विस्फोट हो गया। इसमें चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जन भर से अधिक लोग झुलस गए हैं। मौके पर दमकल की गाड़ियां पहुंच गई हैं। विस्फोट इतना जबर्दस्त था का इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के बाद आग लग गई। चार लोगों के मौत और 18 लोगों के फंसे होने की सूचना है। राहत और बचाव कार्य में पुलिस और फायर ब्रिगेड के लोग जुट गए हैं। पटाखे के टुकड़े कई किलोमीटर दूर तक उड़कर पहुंच गए हैं। घटना भरवारी के खलीलाबाद इलाके में स्थित पटाखा फैक्टरी में हुई है। पटाखा फैक्टरी खलीलाबाद के रहने वाले शराफत अली की बताई जा रही है। शराफत अली न्यू रंगोली फायरवर्क्स के नाम से पटाखा फैक्टरी चलाते हैं। हादसे में फैक्टरी मालिक शराफ के एक बेटे के भी मौत की सूचना मिल रही है। एसपी बृजेश श्रीवास्तव ने अभी तक कुल चार लोगों के मौत होने की पुष्टि की है। मौके पर एडीजी प्रयागराज जोन भानु भास्कर भी मौके पर पहुंच गए हैं। एक मृतक शिव नारायण (30) पुत्र भोलानाथ की पहचान हो पाई है। घायल बबलू पटेल, दीना पटेल, अशोक पटेल, कौशल अली और शराफत अली को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना पाकर एसपी बृजेश श्रीवास्तव मौके पर पहुंच गए। मौके पर एंबुलेंस की कई गाड़ियां भी पहुंच गई हैं। घायलों को अस्पताल भेजा जा रहा है। गंभीर रूप से घायल लोगों को एसआरएन अस्पताल प्रयागराज भेजा जा रहा है। पूरा इलाका एंबुलेंस के सायरन से गूंज रहा है। फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गई हैं। मलबे में फंसे लोगों को निकालने का कार्य शुरू कर दिया गया है। घटना के बाद स्थानीय नेताओं की भीड़ जुट गई है। पूर्व विधायक संजय गुप्ता, कैलाशचंद्र केसरवानी सहित आदि नेता पहुंच गए हैं। कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दिया विस्फोट, जिससे लोग दहल गए। धमाका इतना तेज था कि मलबे काफी दूर तक जाकर गिरे। गांव के अमित विश्वकर्मा ने बताया कि 16 लोगों को घायल अवस्था में निकाला है। जिसमें कई लोगों की मौत हो चुकी थी। एडीजी भानु भास्कर मौके पर पहुंच गए हैं। वह अधिकारियों और स्थानीय लोगों से बातचीत कर घटना के बारे में जानकारी लेने का प्रयास कर रहे हैं। आग को फिलहाल पूरी तरह से बुझा लिया गया है। दर्जन भर से अधिक एंबुलेंस को मौके पर भेजा गया है जो घायलों को अस्पताल पहुंचने में लगी हैं। भरवारी में पटाखा फैक्टरी में विस्फोट में जिन लोगों की मौत हुई है उनमें पटाखा फैक्टरी के मालिक शराफत अली का बेटा शाहिद भी शामिल है। शाहिद अली के नाम पर ही पटाखा फैक्टरी का लाइसेंस था। ब्लास्ट में सात लोगों की मौत हो चुकी है। चेहरा झुलस जाने के कारण पांच लोगों की पहचान नहीं हो सकी है। अभी तक फिलहाल शाहिद अली पुत्र शराफत अली और शिव नारायण पुत्र भोलानाथ पटेल की पहचान हो पाई है। शिव नारायण गांव अंबहा थाना कोखराज कौशांबी का रहने वाला है।

प्रधानमंत्री ने समुद्र में डूबी द्वारका नगरी के किए दर्शन, बोले- ये डुबकी नहीं बल्कि समय यात्रा

द्वारका। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुजरात के दौरे पर हैं। अपने दौरे के तहत प्रधानमंत्री ने द्वारकाधीश मंदिर में पूजा अर्चना की। साथ ही समुद्र में डूबी प्राचीन द्वारका नगरी के भी दर्शन किए। द्वारका नगरी के दर्शन के बाद पीएम मोदी ने कहा कि ये सिर्फ समुद्र में एक डुबकी नहीं थी बल्कि समय यात्रा थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'पानी में डूबी द्वारका नगरी में प्रार्थना करना आलौकिक अनुभव रहा। मुझे आध्यात्मिक वैभव और शाश्वत भक्ति के एक प्राचीन युग से जुड़ाव महसूस हुआ। भगवान श्रीकृष्ण हम सभी को आशीर्वाद दें।' प्रधानमंत्री ने कहा द्वारका नगरी के दर्शन से भारत की आध्यात्मिक और ऐतिहासिक जड़ों का दुर्लभ और गहरा संबंध अनुभव हुआ। द्वारका नगरी भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ी हुई है और कभी भव्यता और समृद्धि का केंद्र थी। प्रधानमंत्री ने कहा यह सिर्फ पानी में एक डुबकी ही नहीं थी बल्कि समय यात्रा थी, जो नगरी के गौरवशाली अतीत और हिंदू धर्म के सबसे प्रतिष्ठित देवताओं में से एक के साथ इसके जुड़ाव को दशार्ती है। प्रधानमंत्री ने आस्था के तहत द्वारका नगरी को मोर पंख भी अर्पित किए। प्रधानमंत्री मोदी ने बाद में द्वारका में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 'आज जो मैंने अनुभव किया, वो हमेशा मेरे साथ रहेगा। मैं समुद्र के भीतर गया और प्राचीन द्वारका नगरी के दर्शन किए। पुरातत्वविदों ने द्वारका के बारे में काफी कुछ लिखा है। हमारे धार्मिक ग्रंथों में भी बताया गया है कि द्वारका में ऊंची ऊंची इमारतें थी और सुंदर दरवाजे थे। समुद्र के भीतर मैंने दिव्यता का अनुभव किया। मैंने द्वारकाधीश के सामने शीश झुकाया। मैं मोर के पंख भी अपने साथ लेकर गया था और उन्हें भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में समर्पित किया। मैं हमेशा से वहां जाने का इच्छुक था और द्वारका नगरी के अवशेषों को छूना चाहता था, आज मैं भावुक हूं क्योंकि मेरा दशकों पुराना सपना पूरा हो गया है।'

भारतीय युद्धपोत ने अदन की खाड़ी में मालवाहक जहाज को पहुंचाई मदद, मिसाइल हमले के बाद लग गई थी आग

नई दिल्ली। पलाऊ के झंडे वाले व्यापारिक जहाज एमवी आइलैंडर पर अदन की खाड़ी में मिसाइल हमले के बाद 22 फरवरी को आग लग गई थी। भारतीय नौसेना ने तत्काल कार्रवाई करते हुए इसे सहायता पहुंचाई। नौसेना ने कहा कि संकट काल पर प्रतिक्रिया देते हुए नौसेना का विध्वंसक 22 फरवरी की दोपहर जहाज के आसपास पहुंचा। यह घटना हाउती आर्तकियों की ओर से लाल सागर में विभिन्न जहाजों पर किए जा रहे हमलों पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं के बीच सामने आई है। नौसेना की एक विस्फोटक आयुध निपटान (ईओडी) टीम ने मिसाइल हमले से किसी भी जोखिम से बचने के लिए इसे सैनेटाइज कर जहाज को आगे यात्रा की मंजूरी दी। सैन्य अधिकारियों ने कहा कि जहाज के क्रू सदस्यों में से एक को चोट लगी थी। नौसेना की डाक्टरों की टीम ने उसे सहायता प्रदान की। भारतीय नौसेना ने इस महीने की शुरूआत में सोमालिया के पूर्वी तट पर 11 ईरानी और आठ पाकिस्तानी नागरिकों के चालक दल के साथ एक ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज पर समुद्री डकैती के प्रयास को विफल कर दिया था। जनवरी में एक भारतीय युद्धपोत ने सोमालिया के पूर्वी तट पर समुद्री डाकुओं द्वारा हमला किए जाने के बाद ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज के 19 पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को बचाया था। नौसेना ने पांच जनवरी को उत्तरी अरब सागर में लाइबेरिया के झंडे वाले जहाज एमवी लीला नोरफोक के अपहरण के प्रयास को विफल कर दिया और उसके सभी चालक दल के सदस्यों को बचा लिया था। अमेरिकी सेना ने कहा कि इस महीने बेलीज के झंडे वाले जहाज पर हाउती आर्तकियों के हमले के बाद 18 मील (29 किलोमीटर) तक तेल की परत फैल गई। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि रूबीमार, ब्रिटिश-पंजीकृत, लेबनान द्वारा संचालित मालवाहक जहाज है, जिस पर 18 फरवरी को लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ने वाले बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य से गुजरते समय हमला किया गया था।

23 की मौतः बेयरिंग टूटने से 23 जिंदगियों की सांसों पर 'फुलस्टॉप', ट्रैक्टर के ब्रेक पेडल का भी नहीं लगा था लॉक

कासगंज। ट्रैक्टर-ट्रॉली का सफर कितना खतरनाक होता है, यह शनिवार को कासगंज में हुई ट्रैक्टर-ट्रॉली की दुर्घटना से स्पष्ट हो गया। ट्रैक्टर के साथ जुड़ी ट्रॉली के एक पहिये के बेयरिंग का टूटना और चालक के द्वारा ब्रेक लगाया जाना 23 जिंदगियों की सांसों पर फुलस्टॉप लगा गया। स्वयं ट्रैक्टर के चालक सतेंद्र ने हादसे की यह वजह बताई। सतेंद्र उस बच्चे सिद्धू के बाबा है जिसका मुंडन कादरगंज गंगाघाट पर होना था। बताया गया कि ट्रैक्टर-ट्रॉली दरियावगंज की ओर से पटियाली की ओर जा रही थी। ककराला के पास पहुंचते ही ट्रॉली के पहिये का बेयरिंग टूट गया। बेयरिंग, टूटते ही ट्रॉली में झटका लगा। चालक सतेंद्र को इसका अहसास हुआ तो उसने तुरंत ही ट्रैक्टर के ब्रेक लगाए, लेकिन ब्रेक के पैडल का लॉक निकला हुआ था। जिससे एक पहिये का ही ब्रेक लगा और ट्रैक्टर सड़क पर घूमते हुए तालाब में गिरकर पलट गया। यदि ट्रॉली का बेयरिंग सही होता तो नहीं टूटता और ब्रेक भी नहीं लगाने पड़ते। बेयरिंग टूटने पर ब्रेक लगाना ही ट्रैक्टर-ट्रॉली के अनियंत्रित होने का कारण बन गया और 23 लोगों की जिंदगी काल के मुंह में समा गईं। देखते ही देखते घटनास्थल पर कोहराम और चीत्कार का मंजर बन गया। ट्रैक्टर ट्रॉली को तालाब से बाहर निकाला गया तब ब्रेक पैडल का लॉक खुला होने की जानकारी सामने आई। ट्रैक्टर के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों का कहना रहा कि ब्रेक पैडल का लॉक लगा होता तो शायद ट्रैक्टर अनियंत्रित नहीं होता। जब लॉक लगता है तो एक साथ पूरा ब्रेक आता है। ब्रेक का लॉक खोलकर केवल जोताई का काम किया जाता है। ट्रैक्टर के बारे में जानकारी रखने वाले राम खिलाड़ी ने बताया कि दोनों पहियों के अलग-अलग ब्रेक होते हैं। सड़क पर ब्रेक पैडल का लॉक लगाकर ही ट्रैक्टर चलाया जाता है। पटियाली-दरियावगंज मार्ग पर ककराला के जिस तालाब पर अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से भीषण हादसा हुआ उस तालाब को ग्रामीण अब खूनी तालाब बताने लगे हैं।

भाजपा जल्द जारी कर सकती है उम्मीदवारों की पहली सूची, लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर बोले येदियुरप्पा

चिकमंगलूर। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा ने रविवार को कहा कि उम्मीद है कि भाजपा 3-4 दिनों में आम चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर देगी। पीएम मोदी की लोकप्रियता के कारण पूरे देश में भाजपा के पक्ष में माहौल बना हुआ है।

येदियुरप्पा ने कहा कि हमें तीन या चार दिन में पता चल जाएगा कि उम्मीदवार कौन है और पार्टी ने क्या कोई बदलाव किया है। कर्नाटक में आम चुनाव को लेकर भाजपा के पक्ष में माहौल बना हुआ है। राज्य की सभी 28 लोकसभा सीटें जीतने का पार्टी का लक्ष्य है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम ऐसा करने में सफल होंगे क्योंकि राज्य के लोग केंद्र में पीएम मोदी का नेतृत्व चाहते हैं। गौरतलब है कि भाजपा ने 2019 के आम चुनावों में राज्य की कुल 28 में से 25 सीटों पर जीत हासिल की थी, यहां तक कि भाजपा द्वारा समर्थित निर्दलीय सुमलता अंबरीश भी मांड्या में विजयी हुई थीं। भाजपा द्वारा मंड्या सीट गठबंधन सहयोगी जद(एस) को देने की संभावनाओं की चचाओं के बीच येदियुरप्पा ने कहा कि ऐसे कोई भी बात नहीं है, इसको लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। मेरे पास इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। आने वाले कुछ दिनों में सभी चीजें स्पष्ट हो जाएंगी।

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे के खिलाफ चल रहे प्रचार पर येदियुरप्पा ने कहा कि हम जानते हैं कि इसके पीछे कौन है, मुझे विश्वास है कि शोभा करंदलाजे हिम्मत नहीं हारेंगी। सब जानते हैं कि उन्होंने कई अच्छे काम किए हैं। आप सभी देख लीजिएगा, आगामी लोकसभा चुनाव में एक बार फिर वह बड़े अंतर से जीत दर्ज करेंगी।

पश्चिमी यूपी में पिछड़ों के सहारे सियासी जमीन तैयार कर रही कांग्रेस, राहुल गांधी ने समझाया जातिगत समीकरण

मुरादाबाद। यूपी में अपना सियासी जनाधार खो चुकी कांग्रेस पश्चिमी यूपी में पिछड़ों का दांव खेलने की कोशिश कर रही है। इसकी एक झलक राहुल गांधी के संबोधन में देखने को भी मिली। मुरादाबाद पहुंचे कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा पर हमलावर रहे। करीब 14 मिनट के संबोधन में उन्होंने न तो गठबंधन की बात की और न ही लोकसभा चुनाव पर चर्चा की। देश में पिछड़ों की भागीदारी कम होने पर सवाल उठाए। राहुल गांधी पिछड़ों के साथ दलितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों के जातिगत समीकरण को भी समझा गए। शनिवार सुबह राहुल गांधी ने मुरादाबाद से पार्टी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के अगले चरण की शुरूआत की। यात्रा का यह चरण पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर केंद्र है। मुरादाबाद जामा मस्जिद के पास से शुरू हुई यात्रा गलशहीद चौराहा, भूड़ा का चौराहा, संभल चौराहा होते हुए कोहिनूर तिराहा तक गई। यात्रा फिर अमरोहा के लिए रवाना हो गई। यात्रा संभल चौराहे पर पहुंची तो खुली गाड़ी बहन प्रियंका गांधी के साथ मौजूद राहुल गांधी भीड़ से मुखातिब हुए। सवाल-जवाब के लहजे में अपने संबोधन की शुरूआत की। कुछ उदाहरण के जरिये भाजपा पर हमला करते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह से लेकर अदाणी-अंबानी तक का नाम लिया। इसके बाद राहुल गांधी ने पिछड़ों को साधने की कोशिश की। उन्होंने पिछड़ों के साथ दलितों, अल्पसंख्यकों और आदिवासियों की बात की। देश में किसकी कितनी आबादी है, इसके जातिगत आंकड़े भी बताए। फिर नब्बे फीसदी आबादी वाले (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यकों, आदिवासी) इस वर्ग की कंपनियों, अस्पतालों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में कम भागीदारी पर सवाल उठाए। साथ ही मनरेगा में पिछड़ों और गरीबों की हिस्सेदारी अधिक बताकर मौजूद भीड़ को खुद से जोड़ने की कोशिश की। राहुल गांधी यही नहीं रुके। उन्होंने जातिगत जनगणना की भी वकालत की। ताकि कौन है, कितने हैं, इसके सही आंकड़े का पता चल सके। तीन दिन पहले बुधवार को सपा से हुए गठबंधन के महत्वपूर्ण सियासी फैसले का राहुल गांधी ने अपने संबोधन में जिक्र तक नहीं किया। जबकि वह गठबंधन के तहत सपा खाते में गई मुरादाबाद लोकसभा क्षेत्र से ही पश्चिमी यूपी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरूआत कर रहे थे। इसके अलावा लोकसभा चुनाव भी उनके संबोधन का एजेंडा नहीं रहा। यही नहीं पश्चिमी यूपी में होने के बाद भी इंडिया गठबंधन छोड़कर भाजपा के पाले में जाने वाले रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी पर भी कोई टीका टिप्पणी नहीं की।

रितेश पांडेय को भाजपा में मिलेगी बड़ी जिम्मेदारी, पूर्वांचल में बनेंगे ब्राह्मण चेहरा

लखनऊ। बसपा सांसद रितेश पांडेय 25 फरवरी को भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा उन्हें बड़ी जिम्मेदारी देकर पार्टी उनका लाभ उठाने की कोशिश करेगी। वे पूर्वांचल में भाजपा के ब्राह्मण चेहरे के तौर पर उभर सकते हैं। इसी लोकसभा चुनाव से पहले उन्हें पूर्वांचल में युवाओं को पार्टी से जोड़ने की जिम्मेदारी दी जा सकती है। उन्हें अंबेडकर नगर की लोकसभा सीट पर दोबारा उम्मीदवार बनाया जा सकता है। इससे भाजपा के लिए इस मुश्किल सीट पर जीत आसान हो सकती है। दरअसल, भाजपा में अभी भी कोई नेता ब्राह्मण समुदाय का चेहरा नहीं बन पाया है। मुरली मनोहर जोशी और कलराज मिश्रा के युग के बाद पार्टी का कोई भी नेता इस कद तक नहीं पहुंच पाया कि पार्टी उसे ब्राह्मण नेता के तौर पर पेश कर सके और चुनावों में उसका लाभ मिल सके। इस बीच लक्ष्मीकांत वाजपेयी और दिनेश शर्मा जैसे कुछ नेताओं को मजबूत कर चेहरा बनाने की कोशिश भी की गई, लेकिन वे ज्यादा प्रभावी और भरोसेमंद ब्राह्मण चेहरे के तौर पर नहीं उभर पाए, जिसे ब्राह्मण अपना नेता मान सकें और जिनके नाम पर भाजपा के साथ लामबंद हो सकें। बसपा से ब्रजेश पाठक जैसे लोगों को पार्टी में लाकर भी इसी कमी को भरने की कोशिश की गई थी। वे पार्टी के लिए प्रभावशाली तरीके से काम भी कर रहे हैं, लेकिन पार्टी ब्राह्मण नेताओं को ज्यादा प्रभावशाली भूमिका में लाकर यूपी के लगभग आठ फीसदी ब्राह्मण वोट बैंक को अपने साथ साधना चाहती है। भाजपा के पास प्रभावी ब्राह्मण नेता न होने का लाभ समय-समय पर समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी उठाती रही है। मायावती ने 2007 में दलितों, मुसलमानों के साथ ब्राह्मणों को अपने साथ साधने का काम कर लिया था। इससे बसपा अकेले दम पर यूपी में सरकार बनाने में सफल हो गई थी। 2012 में यही काम समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव ने किया और वह अपने दम पर सत्ता में आने में कामयाब हो गई।

संपादकीय

दिमाग में चिप

प्रथम दृष्टया यह खबर चौंकाती है कि इंसान के दिमाग में कृत्रिम चिप का प्रत्यारोपण सफलता पूर्वक किया गया है। विज्ञान के जरिये मानव कल्याण के क्षेत्र में किये गये हर शोध-अनुसंधान का स्वागत ही किया जाना चाहिए। लेकिन संवेदनशील मस्तिष्क में चिप लगाने के क्रम में इंसान के रोबट बन जाने की आशंकाएं भी निर्मूल नहीं हैं। ध्यान रहे कि यह प्रत्यारोपण किसी सरकारी चिकित्सा शोध संस्थान या विश्वविद्यालय में नहीं हुआ है। यह प्रत्यारोपण दुनिया के सबसे अमीर शख्सों में शुमार एलन मस्क की कंपनी न्यूरालिंक ने किया है। वही मस्क जिन्होंने ट्विटर खरीदने और उसे एक्स में तब्दील करने के क्रम में कर्मचारियों की निर्ममता से छंटनी की थी। वही मस्क जो विश्व के अरबपतियों को अंतरिक्ष में सैर-सपाटा कराने के अलावा दुनिया के तमाम बड़े मुनाफे के कारोबार में लगे हुए हैं। जाहिर है मस्तिष्क में चिप लगाने का प्रयोग उनके बाजार के गणित का ही हिस्सा है। बहरहाल, अभी चिप लगाने की शुरूआत हुई है। आम लोगों तक इसका लाभ पहुंचने में दशकों लग सकते हैं। वहीं इसके प्रत्यारोपण की प्रक्रिया इतनी खर्चीली होगी कि शायद ही आम आदमी के हिस्से में कभी इसका लाभ आ सके। बहरहाल, हर नये अनुसंधान व शोध का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन यह सवाल मानवीय बिरादरी के लिये हमेशा मंथन का विषय रहेगा कि विज्ञान की खोज मानवता की संहारक न बने। जैसे अल्फ्रेड नोबेल को अपने डायनामाइट के आविष्कार के संहारक होने का अपराध बोध हुआ। उन्होंने इसके चलते विश्व शांति व मानवता को समृद्ध करने वाले विभिन्न विषयों की प्रतिष्ठा के लिये अपनी कमाई से कालांतर नोबेल प्राइज की शुरूआत की थी। बहरहाल, शुरूआती संकेत बताते हैं कि इंसानी दिमाग में चिप लगाने का प्रयास सफल रहा है। इस प्रयोग से इंसानी जीवन में विज्ञान व तकनीक की भूमिका के नये अध्याय की शुरूआत मानी जा सकती है। यह मानव कल्याण के लिये वरदान भी साबित हो सकती है बशर्ते यह निर्मम बाजार का हथियार न बने। वैसे ऐसा भी नहीं है कि न्यूरालिंक इस तकनीक का प्रयोग सफलतापूर्वक करने वाली पहली कंपनी है। इससे पहले इस कंपनी की प्रतिस्पर्धी कंपनी ब्लैकरॉक न्यूरोटेक भी इंसान के दिमाग में चिप प्रत्यारोपण का सफल प्रयोग कर चुकी है। कहा जा रहा है कि इसका लाभ उन लोगों को होगा जो जन्मजात या किसी दुर्घटना तथा बीमारी के चलते अपने कुछ अंगों से वंचित हैं। चिप लगाने के बाद इन लोगों के महज सोचने भर से फोन, कंप्यूटर आदि निदेर्शों का पालन करने लगेंगे। किसी बीमारी के चलते किसी व्यक्ति के निष्क्रिय अंग सक्रिय हो सकेंगे। विशेष रूप से मानसिक रोगों, मसलन पार्किंसन व भूलने की बीमारी अल्जाइमर में यह चिप कारगर हो सकती है। इतना ही नहीं अवसाद व विभिन्न लतों से मुक्ति दिलाने में भी इसे सहायक बताया जा रहा है। लेकिन आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये यदि इंसान के दिमाग पर ऐसी चिप के जरिये नियंत्रण के नकारात्मक प्रयास होने लगें तो निस्संदेह, स्थिति खासी विकट हो सकती है। निश्चित रूप से किसी व्यक्ति के दिमाग का मामला बेहद संवेदनशील होता है। यही वजह है कि कुदरत की बनायी जटिल दिमागी प्रक्रिया से छेड़छाड़ या कहें सर्जरी से आधुनिक चिकित्सा भी परहेज करती है। यहां यह भी सवाल कायम रहेगा कि चिप कितने समय तक काम करती रहेगी। यानी कितने समय तक यह चिप इंसान के कुदरती दिमाग से साम्य बना सकेगी। अभी यह प्रयोग शुरूआती दौर में है और कहना मुश्किल है कि इससे वास्तविक लाभ कितना होता है। वैसे तार्किक बात यह है कि भारत जैसे विकासशील देशों में आम आदमी की पहुंच में यह सुविधा शायद मुश्किल से ही आए। यहां महत्वपूर्ण यह है कि हमें अपनी जीवनशैली और खानपान में इतनी सावधानी रखनी चाहिए कि इस तरह के रोगों से बचा जा सके। भारत द्वारा दुनिया को दिये गए योग के वरदान से तमाम मनोविकारों का समाधान संभव है। अमेरिका के नोबेल पुरस्कार विजेता मनोवैज्ञानिक भी मानते रहे हैं कि प्राणायाम के जरिये अनेक मानसिक रोगों का उपचार संभव है। हम अपनी सेहत का संवर्धन करें ताकि चिप लगाने की नौबत न आए।

पारदर्शी चयन हेतु

ऐसे समय में जब नौकरियों से जुड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल तथा पेपर लीक जैसी धांधलियों की खबरें अकसर आती हैं केंद्र सरकार द्वारा द्वारा लाया गया लोक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम है। निश्चित रूप से एक जटिल समस्या पर नियंत्रण करने की सार्थक पहल हुई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि यह विधेयक लोकसभा में पारित हो गया है। अच्छी बात यह है कि इस विधेयक को पारित करने के दौरान सत्ता पक्ष व विपक्ष का जो रचनात्मक प्रतिसाद रहा, वह उम्मीद जगाता है कि राज्यसभा में भी यह विधेयक आसानी से पारित हो सकेगा। निश्चित रूप से यह कदम उन लाखों बेरोजगार युवाओं के साथ न्याय होगा, जो वर्षों की मेहनत से प्रतियोगिता परीक्षाएं देते हैं और किसी धांधली की खबरों के कारण परीक्षाएं स्थगित कर दी जाती रही हैं। इस विधेयक में नकल व अन्य अनुचित तौर-तरीके अपनाने पर कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत सुनियोजित तरीके से नकल कराने व पेपर लीक कराने के दोषियों को दस साल की सजा और एक करोड़ तक के जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। निस्संदेह, लोकपरीक्षा (अनुचित साधन रोकथाम) विधेयक 2024 को लेकर उम्मीद जगी है कि अब परीक्षार्थियों को किसी भी तरह की धांधली का खमियाजा नहीं भुगतना पड़ेगा। हाल के वर्षों में कई राज्यों से खबरें आई कि सरकारी नियुक्तियों के लिये आयोजित परीक्षाओं में व्यापक पैमाने पर चतुर-चालाक लोगों द्वारा धांधली की गई। पिछले दिनों हुए राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान परीक्षाओं में धांधली का मुद्दा जोरशोर से उछला भी था। निश्चित रूप से पेपरों का लीक होना उन लाखों परीक्षार्थियों के साथ सरासर अन्याय था जो श्रमसाध्य तरीके से इन परीक्षाओं में भविष्य तलाशते थे। लेकिन धांधली के बाद ये परीक्षाएं स्थगित हो जाती थी। जिससे इन प्रतियोगियों की मेहनत, तैयारी में लगा पैसा व समय बर्बाद हो जाता था। परीक्षाएं टलने से कई प्रतियोगियों की तो निर्धारित उम्र तक निकल जाती थी। दरअसल, पिछले दिनों कई राज्यों में जूनियर क्लर्क, शिक्षक चयन परीक्षा, पुलिस भर्ती परीक्षा, समूह डी पद व शिक्षक पात्रता परीक्षा में धांधली के मामले प्रकाश में आए थे। जाहिर है इतने बड़े व गोपनीय सिस्टम से पेपर निकालने में किसी सुनियोजित ढंग से काम करने वाले गिरोह का ही हाथ हो सकता है। वहीं परीक्षा आयोजन से जुड़े कुछ लोगों की संदिग्ध भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। आधुनिक तकनीक ऐसे घोटालों में शातिरों के लिये मददगार साबित हो रही थी, जो कम समय में आउट किये पेपरों को पूरे देश में फैला देते हैं। कई जगह कुछ कोचिंग सेंटरों की भी संदिग्ध भूमिका नजर आई है, जो परीक्षा आयोजित करने वाली व्यवस्था में सेंध लगाने में कामयाब हो जाते हैं। निस्संदेह, सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। लेकिन सजा के कड़े प्रावधानों को देखते हुए कोशिश हो कि किसी साजिश के तहत निर्दोष लोग इसकी चपेट में न आ पाएं। हालांकि, केंद्र सरकार की तरफ से कोशिश हुई है कि परीक्षार्थियों को नये प्रावधानों से नुकसान न हो, फिर भी कानून का पालन करवाने वाली एजेंसियों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश में सरकारी सेवाओं के प्रति युवाओं में बड़ा सम्मोहन है। खासकर सुरक्षित नौकरी की चाह कोरोना संकट ने और बढ़ायी है। यही वजह है कि सिमटती नौकरियों व बढ़ते बेरोजगारों के चलते परीक्षा में सफलता में प्रतिस्पर्धा कड़ी हो गई है। जिसका लाभ बिचौलिए परीक्षार्थियों को प्रलोभन देकर उठाते हैं। नये विधेयक के परिप्रेक्ष्य में कहा जा सकता है कि इससे परीक्षा व्यवस्था के प्रति परीक्षार्थियों का भरोसा बढ़ेगा।

शाहजहां शेख व्यक्ति नहीं प्रवृत्ति है जिसे विशेष प्रकार का सेक्युलर संरक्षण प्राप्त है

डॉ. आशीष वशिष्ट

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24-परगना जिले में कालिंदी नदी के किनारे बसा गांव संदेशखाली पिछले कई दिनों से चचाओं में है। तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख और उसके दो सहयोगियों पर यहां की महिलाओं ने कथित अत्याचार और यौन उत्पीड़न के कई गंभीर आरोप लगाए हैं। संदेशखाली की पीड़िताओं ने जो बातें बताई हैं, वह 21वीं सदी में अकल्पनीय है। ऐसे में अहम सवाल है कि कोई शाहजहां शेख कैसे इतना निरंकुश हो जाता है? शाहजहां जैसे अत्याचारियों को ताकत कहां से मिलती है? इन सवालों का जवाब भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद सुधांशु त्रिवेदी के बयान के छिपा है। सुधांशु के अनुसार, जो कुछ संदेशखाली में हो रहा है वो मात्र एक घटना नहीं बल्कि एक राजनीति सोच है, जो 78 वर्ष पूर्व नोआखाली से लेकर आज के संदेशखाली तक बंगाल के लिए नासूर बनती जा रही है। शाहजहां शेख एक व्यक्ति नहीं एक प्रवृत्ति है जिसे मात्र बंगाल में नहीं बल्कि पूरे भारत में एक विशेष प्रकार का सेक्युलर संरक्षण प्राप्त है।

राजनीतिक इतिहास के पन्ने पलटें तो कांग्रेस पार्टी को मुस्लिम तुष्टिकरण की जननी कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। आजादी के बाद नेहरू से वर्तमान तक पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति को समर्पित रही है। आजादी के बाद घरेलू ही नहीं, विदेशी नीति भी तुष्टिकरण से तय होती थी। सबसे बड़ी विडंबना यह रही कि जिन मुसलमानों के नाम पर कांग्रेस ने देश में तुष्टिकरण की नीति का आगाज किया उन मुसलमानों की माली हालत सुधरने की बजाय बिगड़ती चली गई। दूसरी विडंबना यह हुई कि कांग्रेसी तुष्टिकरण का संक्रमण क्षेत्रीय पार्टियों, मीडिया और बुद्धिजीवियों तक होता गया।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण के बलबूते ही सत्ता में आई थी। सत्ता पर काबिज होने के बाद से तृणमूल की सरकार ने मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए हिंदुओं व दूसरे समुदायों की पूरी तरह अनदेखी की। हिन्दुओं के धार्मिक उत्सवों और यात्राओं तक में सरकार ने अड़चनें लगाने का काम किया। पश्चिम बंगाल में हिन्दुओं की जो दुर्दशा हो रही है, वो किसी छिपी नहीं है। तृणमूल के नेता और कार्यकर्ता जिस तरह का अत्याचार कर रहे हैं, वो सुनकर हैरानी होती है कि हम किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में रहते हैं और पश्चिम बंगाल में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकार है। पश्चिम बंगाल हो या फिर दिल्ली, मुस्लिम तुष्टिकरण को लेकर इनमें होड़ है। दिल्ली के दंगों में आम आदमी पार्टी के नेताओं की भूमिका सर्वविदित है। दिल्ली में शाहीन बाग प्रदर्शन के पीछे भी मुस्लिम तुष्टिकरण वाली राजनीतिक ताकतें अपना चेहरा चाहकर भी छुपा नहीं पाई थीं। तेलंगाना में जब बीआरएस और राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार थी, तब वहां मुस्लिम तुष्टिकरण ही राज्यनीति था। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल जब सरकार की हिस्सेदार थी, तब वहां भी मुस्लिम तुष्टिकरण चरम पर था।

आजादी के बाद देश में जिस मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति को जो बीज बोया गया, वह आगे चलकर वट वृक्ष बन गया। भारत दुनिया का इकलौता देश बना जहां बहुसंख्यकों के हितों की कीमत पर अल्पसंख्यकों को वरीयता दी गई। कांग्रेसी तुष्टिकरण का पहला नमूना आजादी के तुरंत बाद देखने को मिला जब देश के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने गुलामी के पहले कलंक को मिटाने के लिए भव्य सोमनाथ मंदिर बनाने की पहल की। लेकिन मुस्लिम परस्ती के चलते तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने न सिर्फ सोमनाथ मंदिर के नवीनीकरण और पुनर्स्थापना के कार्य से खुद को अलग कर लिया बल्कि तत्कालीन सौराष्ट्र के मुख्यमंत्री को आदेश दिया कि मंदिर निर्माण में सरकार का एक भी पैसा नहीं लगना चाहिए। इतना ही नहीं, जब राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद पुनर्निमित सोमनाथ मंदिर का उद्घाटन करने जाने लगे तब नेहरू ने उन्हें रोकने की नाकाम कोशिश भी की।

वोट बैंक की राजनीति की विवशता को कतिपय राजनीतिक दल, दल विहीन राजनेता और बुद्धिवादी देश का स्थायी भाव बना देने की जी तोड़ कोशिशें कर रहे हैं। स्वभावतः पंथनिरपेक्ष भर को सुनियोजित ढंग से पंथ और मजहब के संदर्भ में सोचने, जीने और अपना मानस बनाने को कहा जा रहा है कि यदि ऐसा सोचा और किया न गया तो देश साम्प्रदायिकता की आग में जलकर राख बन जायेगा। यदि संक्षेप में और कुछ वाक्यों में कहें तो आज के भारत की धर्म (पंथ) निरपेक्षता मुस्लिम सापेक्षता का पर्याय है। दोनों एक दूसरे के दास हैं। दोनों की आधार भूमि है सत्ता राजनीति। यह मान लिया गया है कि मुस्लिम सापेक्ष न होना पंथनिरपेक्षता का विरोधी होना है। यह कि यदि हमारी सोच का केंद्र बिंदु मुसलमान नहीं है तो हम भारत राष्ट्र को तोड़ने की दिशा में बढ़ रहे हैं। यदि हम किसी अबोध शिशु की दुधमुंही मुस्कान से प्राप्त होने वाले आत्म और वात्सल्य का अनुभव नहीं करते, तो हम मुस्लिम ही नहीं, भारत विरोधी भी हैं। और यह कि यदि हम अपने आचार विचार से हिन्दू विरोधी नहीं हैं तो हम सेकुलर नहीं हैं। अतएव यदि हमें सेकुलर बने रहना है तो हमें चाहिए कि हम कश्मीर घाटी से भगा दिये गये हिन्दुओं की पीड़ा प्रताड़ना, उनके दुख और दैन्य की बात न करें। कन्हैया लाल की हत्या और संदेशखाली पर मुंह बंद रखें। यानी हिन्दुओं पर होने वाले अत्याचारों जिसमें सरकारें और राजनीतिक दल शामिल हैं, को अनदेखा करें। कांग्रेस की इस तुष्टिकरण की नीति का असर दूसरी राजनीतिक पार्टियों पर भी पड़ा और वे मुस्लिम वोट बैंक छिटकने के डर से हिंदुओं के हित में बोलने से कन्नी काटने लगीं। लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, ममता बनर्जी, एन चंद्रबाबू नायडू, अरविंद केजरीवाल, चंद्रशेखर राव जैसे नेताओं की मुस्लिमपरस्ती एक दिन में नहीं आई है। यह सब कांग्रेसी तुष्टिकरण रूपी वटवृक्ष के फल हैं। दरअसल कांग्रेस द्वारा क्षेत्रीय अस्मिताओं की उपेक्षा और तानाशाही से उपजी क्षेत्रीय पार्टियों ने मुस्लिम वोट हासिल करने के लिए मुसलमानों के सशक्तिकरण की बजाय तुष्टिकरण का कांग्रेसी फामूर्ला अपना लिया। इसका नतीजा यह हुआ कि एक ओर मुसलमानों का पिछड़ापन बढ़ा तो दूसरी ओर कट्टरपंथ को उर्वर जमीन मिली। तुष्टीकरण की राजनीति ने मुख्यरूप से मुस्लिमों के बीच की मलाईदार पर्त को ही फायदा पहुंचाया। इससे कथित धर्मनिरपेक्ष राजनीति का खोखलापन उजागर होता है।

कांग्रेस के साथ गठबंधन कर अरविंद केजरीवाल भारतीय राजनीति के सबसे बड़े पलटूराम बन गये

नीरज कुमार दुबे

इंडिया गठबंधन के दो घटक दलों आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है। आम आदमी पार्टी दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में कांग्रेस के साथ मिल कर चुनाव लड़ेगी मगर पंजाब में दोनों पार्टियां एक दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। यह कुछ उसी तरह है जैसे बंगाल और त्रिपुरा में तो कांग्रेस और वामपंथी दल साथ-साथ चुनाव लड़ते हैं मगर केरल में एक दूसरे के खिलाफ ताल ठोंकते हैं। देखा जाये तो ऐसे गठबंधन किसी विचारधारा के मेल के चलते नहीं बल्कि सत्ता हासिल करने के खेल के चलते बनते हैं। इसलिए जनता को सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि जो एक राज्य में एक दूसरे के खिलाफ हैं उनका दूसरे राज्य में एक मंच पर दिखना धोखे के समान है। जो एक राज्य में एक दूसरे की नीतियों के आलोचक हैं वह दूसरे राज्य में मिलकर कभी जनता का भला नहीं कर सकते। आप भारत में ही नहीं किसी भी देश का राजनीतिक इतिहास उठा कर देख लीजिये 'एक जगह लड़ाई और दूसरी जगह सगाई' का फॉमूर्ला कभी चुनावी जीत भी हासिल नहीं कर पाया और जनता का भला भी नहीं कर पाया। ऐसे गठबंधन हमेशा सिर्फ चुनावों के समय बनते हैं और उसके बाद एक दूसरे पर आरोप लगा कर टूट जाते हैं।

विश्वास ना हो तो जरा इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच गहरे तक समाये अविश्वास को देखिये। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन के ऐलान के बाद गुजरात, दिल्ली और हरियाणा में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन का ऐलान किया गया। इस दौरान खास बात यह रही कि दोनों जगह गठबंधन का ऐलान बड़े नेताओं से नहीं बल्कि पार्टियों की दूसरी या तीसरी पंक्ति के नेताओं से कराया गया। यही नहीं, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन का ऐलान करने के लिए जो प्रेस कांफ्रेंस हो रही थी उसका दोनों ही पार्टियों ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लाइव प्रसारण भी नहीं किया जबकि दोनों ही पार्टियां हर छोटी-बड़ी प्रेस कांफ्रेंस का लाइव प्रसारण लिंक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर साझा करती हैं।

देखा जाये तो कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच चुनावी गठबंधन होना भारतीय राजनीति का एक बड़ा और महत्वपूर्ण घटनाक्रम है क्योंकि कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ लड़ कर और आंदोलन खड़ा करके ही आम आदमी पार्टी का जन्म हुआ था। आम आदमी पार्टी ने दिल्ली और पंजाब की सत्ता से कांग्रेस को बाहर किया और अपनी स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाई। आम आदमी पार्टी के चमत्कारिक प्रदर्शन के चलते ही गुजरात में कांग्रेस ने अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन किया। आम आदमी पार्टी ने गोवा में भी कांग्रेस को काफी नुकसान पहुँचाया और हरियाणा में भी अपने संगठन का आधार बढ़ाया। आम आदमी पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम से पहले तक एक क्षेत्रीय दल थी। इस लिहाज से देखें तो यह एकमात्र ऐसा क्षेत्रीय दल है जिसने कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी को सर्वाधिक राजनीतिक नुकसान पहुँचाया। लेकिन कांग्रेस की मजबूरी देखिये कि उसने उसी आम आदमी पार्टी के साथ समझौता कर लिया।

देखा जाये तो इस गठबंधन से अरविंद केजरीवाल की राजनीति और नीयत पर भी सवाल उठे हैं। उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़कर पहली जीत हासिल की थी। लेकिन पहली बार में ही जब उन्हें सरकार बनाने में सहयोग की जरूरत पड़ी तो कांग्रेस के समर्थन से सरकार बना ली थी। बाद में जब 49 दिनों की सरकार चलाकर केजरीवाल ने इस्तीफा दिया था तब जनता से माफी मांगते हुए कहा था कि मैंने गलती की और अब आगे कभी कांग्रेस का समर्थन नहीं लूंगा। लेकिन अब केजरीवाल कांग्रेस के साथ फिर चले गये। इस लिहाज से देखें तो नीतीश कुमार नहीं बल्कि केजरीवाल भारतीय राजनीति के सबसे बड़े पलटूराम हैं। हम आपको याद दिला दें कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने के दौरान केजरीवाल रोजाना कांग्रेस और भाजपा के तमाम नेताओं के खिलाफ आरोपपत्र जारी किया करते थे और उन्हें जेल भेजने की मांग किया करते थे लेकिन समय बदला और भ्रष्टाचार से लड़ाई लड़ने वाले केजरीवाल, उनकी सरकार और आम आदमी पार्टी के कई नेता खुद भ्रष्टाचार के आरोपों के घेरे में आ गये और उन नेताओं तथा दलों के साथ गठबंधन करने लग गये जिन्हें कल तक वह सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी बताया करते थे। बहरहाल, देखा जाये तो अलग तरह की राजनीति करने के नाम पर केजरीवाल ने जनता को धोखा दिया क्योंकि वह उन्हीं के जैसे बन गये जिनको बदलने के लिए वह राजनीति में आये थे। जहां तक कांग्रेस की बात है तो उसके लिए यही कहा जा सकता है कि जिस सबसे नये राष्ट्रीय दल (आप) ने कांग्रेस से दिल्ली और पंजाब की सत्ता छीनी उसी के सामने देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल ने घुटने टेक दिये।

बिना विस्थापन के जल संकट होगा दूर

पंकज चतुर्वेदी

प्यास-पलायन-पानी के कारण कुख्यात बुंदेलखंड में हजार साल पहले बने चन्देलकालीन तालाबों को छोटी सदानीर नदियों से जोड़ कर मामूली खर्च में कलंक मिटाने की योजना आखिर हताश होकर ठप्प हो गई। ध्यान दें बीते ढाई दशकों से यहां केन और बेतवा नदियों को जोड़कर इलाके को पानीदार बनाने के सपने बेचे जा रहे हैं। हालांकि पर्यावरण के जानकार बताते रहे हैं कि इन नदियों के जोड़ से बुंदेलखंड तो घाटे में रहेगा लेकिन कभी चार हजार करोड़ की बनी योजना अब 44 हजार 650 करोड़ की हो गई है। सन? 2010 में पहली बार जामनी नदी को महज सत्तर करोड़ के खर्च से टीकमगढ़ जिले के पुश्तैनी विशाल तालाबों तक पहुंचाने और इससे 1980 हेक्टेयर खेतों की सिंचाई की योजना तैयार की गई। इस योजना में न तो कोई विस्थापन होना था और न ही कोई पेड़ काटना था। सन? 2012 में काम भी शुरू हुआ लेकिन आज करोड़ों खर्च के बाद न नहर है न ही सिंचाई।

विडंबना, देश की सभी बड़ी परियोजनाएं कभी भी समय पर पूरी होती नहीं हैं। उनकी लागत बढ़ती जाती है और जब तक वे पूरी होती हैं, उनका लाभ, व्यय की तुलना में गौण हो जाता है। यह भी तथ्य है कि तालाबों को बचाना, उनको पुनर्जीवित करना अब अनिवार्य हो गया है और यह कार्य बेहद कम लागत का है और इसके लाभ अपार हैं। केन-बेतवा नदी को जोड़ने की परियोजना को फौरी तौर पर देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि इसकी लागत, समय और नुकसान की तुलना में इसके फायदे नगण्य ही हैं।

केन और बेतवा दोनों का ही उद्गम स्थल मध्यप्रदेश है। दोनों नदियां लगभग समानांतर एक ही इलाके से गुजरती हुईं उत्तर प्रदेश में जाकर यमुना में मिल जाती हैं। जाहिर है कि जब केन के जल ग्रहण क्षेत्र में अल्प-वर्षा या सूखे का प्रकोप होगा तो बेतवा की हालत भी ऐसी ही होगी। वैसे भी केन का इलाका पानी के भयंकर संकट से जूझ रहा है।

सन् 1990 में केंद्र की एनडीए सरकार ने नदियों के जोड़ के लिए एक अध्ययन शुरू करवाया था और इसके लिए केन बेतवा को चुना गया था। सन् 2007 में केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने इस परियोजना में पन्ना नेशनल पार्क के हिस्से को शामिल करने पर आपत्ति जताई। हालांकि, इसमें कई और पर्यावरणीय संकट हैं लेकिन सन् 2010 जाते-जाते सरकार में बैठे लोगों ने प्यासे बुंदेलखंड को एक चुनौतीपूर्ण प्रयोग के लिए चुन ही लिया। केन-बेतवा के जोड़ की योजना को सिद्धांततया मंजूर होने में ही 24 साल लग गए। उल्लेखनीय है कि राजघाट परियोजना का काम जापान सरकार से प्राप्त कर्जे से अभी भी चल रहा है। इसके बांध की लागत 330 करोड़ से अधिक तथा बिजलीघर की लागत लगभग 140 करोड़ है। राजघाट से इस समय 953 लाख यूनिट बिजली भी मिल रही है। यह बात भारत सरकार स्वीकार कर रही है कि नदियों के जोड़ने पर यह पांच सौ करोड़ बेकार हो जाएगा।

टीकमगढ़ जिले में अभी चार दशक पहले तक हजार तालाब हुआ करते थे। यहां का कोई गांव ऐसा नहीं था जहां कम से कम एक बड़ा-सा सरोवर नहीं था, जो वहां की प्यास, सिंचाई सभी जरूरतें पूरी करता था। आधुनिकता की आंधी में एक-चौथाई तालाब चौरस हो गए और जो बचे तो वे रखरखाव के अभाव में बेकार हो गए। जामनी नदी बेतवा की सहायक नदी है और यह सागर जिले से निकल कर कोई 201 किलोमीटर का सफर तय कर टीकमगढ़ जिले में ओरछा में बेतवा से मिलती है। आमतौर पर इसमें सालभर पानी रहता है, लेकिन बारिश में यह ज्यादा उफनती है। योजना तो यह थी कि यदि बम्होरी बराना के चंदेलकालीन तालाब को नदी के हरपुरा बांध के पास से एक नहर द्वारा जोड़ने से तालाब में सालभर लबालब पानी रहे। इससे 18 गांवों के 1800 हेक्टेयर खेत सींचे जाएंगे। यही नहीं, नहर के किनारे कोई 100 कुएं बनाने की भी बात थी जिससे इलाके का भूगर्भ स्तर बना रहता। अब इस योजना पर व्यय है महज कुछ करोड़, इससे जंगल, जमीन को नुकसान कुछ नहीं है, विस्थापन एक व्यक्ति का भी नहीं है। इसको पूरा करने में समय कम लगता। इसके विपरीत नदी जोड़ने में हजारों लोगों का विस्थापन, घने जंगलों व सिंचित खेतों का व्यापक नुकसान, साथ ही कम से कम से 10 साल का काल लग रहा है।

समूचे बुंदेलखंड में पारंपरिक तालाबों का जाल है। आमतौर पर ये तालाब एक-दूसरे से जुड़े हुए भी थे, यानी एक के भरने पर उससे निकले पानी से दूसरा भरेगा, फिर तीसरा। इस तरह बारिश की हर बूंद सहेजी जाती थी। यह समझना होगा कि देश में जल संकट का निदान स्थानीय और लघु योजनाओं से ही संभव है। ऐसी योजनाएं जिसे स्थानीय समाज का जुड़ाव हो और यदि जामनी नदी से तालाबों को जोड़ने का काम सफल हो जाता तो सारे देश में एक बड़ी परियोजना से आधे खर्च में नदियों से तालाबों को जोड़कर खूब पानी उपलब्ध कराया जाता। शायद तालाबों पर कब्जा करने वाले, बड़ी योजनाओं में ठेके और अधिग्रहण से मुआवजा पाने वालों को यह रास नहीं आया।

स्वास्थ्य केन्द्र डाक्टर विहिन होने से नहीं मिल पा रही मरीजों को सुविधाएं

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। स्थानीय रेलवे स्टेशन स्थित नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र विभागीय उदासीनता के चलते पिछले कई वर्षों से चिकित्सक विहीन है, जिसके चलते यहाँ आने वाले मरीजों को चिकित्सकीय सुविधाएँ नहीं मिल पा रही है,मजबूरी में मरीजों को निजी चिकित्सकों के यहाँ जाकर धन और समय दोनों का नुकसान सहन पड़ रहा है या बीस किमी दूर जिला मुख्यालय जाना पड रहा है। शासन के आदेश के मुताबिक प्रत्येक रविवार को स्वास्थ्य मेला लगता है जिसमे इस रविवार को नगसर नेवाजू राय निवासी राजीव कुमार राय, दीपिका राय, असाव निवासी कु0आशु, व सुष्मिता देवी सहित सैकड़ों मरीज अस्पताल से डॉक्टर के अभाव में बिना दवा व सलाह के मायूस होकर वापस लौटे।स्वास्थ्य मेला के नाम पर सरकारी धन का बन्दर बाँट करके विभागीय लोग अपने जेब भरने में लगे हैं और आम जनता कष्ट से कराह रही है जिसका जवाबदेह न तो शासन सत्ता के लोग बन रहे हैं न ही विभागीय अधिकारी। अपने कष्ट को जाहिर करते हुए क्षेत्र के इंद्रजीत, परमहंस, लालबहादुर, शिवजी, राम औतार आदि ग्रामीणों ने बताया कि यही नहीं यह स्वास्थ्य केन्द्र संविदा के वार्ड ब्वाय अरुण कुमार सिंह,

आनंद राय एवं स्वीपर वीरेन्द्र रावत के भरोसे ही संचालित हो रहा है,यहां फार्मासिस्ट भी नहीं है,कहा कि ऐसे में सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहाँ आने वाले मरीजों को किस तरह की स्वास्थ्य सेवाएँ मिलती होगीं।ग्रामीणों ने मांग किया कि यहाँ चिकित्सक व फार्मासिस्ट आदि की स्थाई तैनाती जल्द की जाए ताकि सरकार की ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएँ उपलब्ध कराने की मंशा पूरी हो सके,नही तो ग्रामीण सड़क पर उतरने को बाध्य व मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने बताया कि यहाँ हर रोज करीब सौ से अधिक मरीज आते है,मगर चिकित्सक के न रहने से मायूस हो जिला मुख्यालय या निजी चिकित्सक के यंहा चले जाते है।बताया कि यह पीएचसी क्षेत्र के दर्जनों गावों के करीब लाखो की आबादी से जुडा है,यहाँ आए दिन पुलिस महकमें सहित अन्य अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों का आवागमन बना रहता है लेकिन शासन व जनप्रतिनिधियों की उदासीनता से आज तक यहाँ कर्मचारियों की तैनाती को लेकर किसी ने कोई ठोस कदम उठाना जरूरी नहीं समझा,जो हैरान करने वाली बात है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले वर्ष यहाँ एक गाँव की बीमार लडकी को इलाज के लिए लेकर परिजन पहुंचे जहाँ उस दौरान तैनात फार्मासिस्ट की लापरवाही के चलते उसकी मौत हो गई थी,जिसके बाद सी एम ओ ने दोनों को यहाँ से हटा दिया और आज तक उनके स्थान पर किसी की तैनाती नहीं की,जबकि इसको लेकर लोगों ने कई बार महकमें से गुहार लगाकर परेशान है। क्षेत्र के सामाजिक लोगो व तत्कालीन जनप्रतिनिधियों के निजी सहयोग से पिछले करीब चार दशक पूर्व 1980 में तीस लाख की लागत से दस बेड के पीएचसी का निर्माण कराया गया था जो विभागीय उच्चाधिकारियों को लूट पाट का जरिया बन गया और क्रमशः अस्पताल दुर्दशाग्रस्त होता गया जिसकी सुध लेने वाला आज कोई नही है। इस मामले में सीएमओ डाक्टर देश दीपक पाल ने बताया कि जिले में चिकित्सकों की कमी है, इसके चलते समस्या आ रही है, नये के आते ही तैनाती कर दी जाएगी।

ग्राम विकास अधिकारियों से बिना स्पष्टीकरण मांगे हुई कार्यवाही तो काम बंद के लिए होंगे बाध्य

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को विकासखंड सदर के सभागार में ग्राम पंचायत अधिकारी ग्राम विकास अधिकारी समन्वय समिति की बैठक जनपद गाजीपुर में संपन्न हुई जिसमें जनपद के समस्त विकास खंडो के सचिव उपस्थित हुए और अपनी समस्याओं से पदाधिकारी को अवगत कराया बैठक में मुख्य रूप से गौशालाओं के समुचित संचालन हेतु कैटल कैचर हेतु ईंधन की व्यवस्था का भर सचिवों पर डालने, बिना कर्मचारियों से स्पष्टीकरण प्राप्त किय छोटी-छोटी कर्मियों पर निलंबन की कार्यवाही, ग्राम पंचायत की जांच के नाम पर सचिवों के आर्थिक शोषण सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई एवं सर्वसम्मत से यह निर्णय लिया गया कि यदि भविष्य में बिना सचिव का स्पष्टीकरण प्राप्त किय आर्थिक रूप से दोहन करने के लिए निलंबित किया जाता है तो जनपद के समस्त सचिव कार्य बंद कर धरना देने हेतु बाध्य होंगे साथ ही अधिकारियों की मनमानी से शासन से भी पत्राचार के माध्यम से अवगत कराया जाएगा बैठक में विभिन्न विकासखंडों से आए हुए सचिवों ने संबोधित किया बैठक की अध्यक्षता समन्वय समिति के अध्यक्ष सूर्यभान राय एवं संचालन मनोज यादव ने किया, बैठक में ग्राम विकास अधिकारी संघ के

जिला अध्यक्ष बैजनाथ तिवारी ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के मंत्री पवन कुमार पांडे, विनीत कुमार राय, अरुण पांडे शशि यादव अनिल यादव शैलेंद्र प्रताप सिंह रामनयन यादव संजय यादव दीपक कनौजिया आशुतोष सिंह अवनीश कुमार शिव प्रकाश त्रिपाठी सरवन कुमार मनीष कुमार अनुज यादव रमेश चंद कंचन जायसवाल सुरेश प्रसाद अतिरिक्त सैकड़ो सचिव उपस्थित रहे।

ग्राम परिक्रमा यात्रा का आयोजन

प्रखर वाराणसी। भाजपा किसान मोर्चा द्वारा का ग्राम परिक्रमा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बता दे की ग्राम परिक्रमा कार्यक्रम विधानसभा के कपरफोरवा ग्राम पंचायत के प्राथमिक विद्यालय पर आयोजित हुआ। ग्राम परिक्रमा कार्यक्रम में किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष चोलापुर ललितेश सिंह अपनी पूरी टीम के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने ग्राम परिक्रमा का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में उपस्थित जनों में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह सहित विशिष्ट स्थिति के रूप में बीजेपी जिला अध्यक्ष व एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष राम प्रकाश सिंह एवं चोलापुर मंडल किसान मोर्चा के रवि रघुवंशी, विनोद चौबे, बृजेश सिंह, सूरज विश्वकर्मा, मृत्युंजय मौर्य, विकास सिंह, सौरभ रघुवंशी एवं समस्त किसान मोर्चा के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन जिला अध्यक्ष जितेंद्र सिंह जीतू के नेतृत्व में हुआ।

चुनाव के दृष्टिगत पुलिसकर्मियों को कराया गया अभ्यास

जखनिया गाजीपुर। भुड़कुड़ा कोतवाली में लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी बलराम जी के नेतृत्व में कोतवाली परिसर में तैनात पुलिस कर्मियों को बलवा ड्रिल अभ्यास कराया गया ।जहां पर क्षेत्राधिकारी द्वारा दंगा ,उपद्रव, मारपीट ,बूथ पर बिबाद की स्थिति मे असलहा व इन सलहो के उपयोगिता के बारे में पूछताछ की गई। तथा दंगा नियंत्रण उपकरण के बारे में पूछताछ के दौरान उसके प्रयोग को दोबारा बताया गया ।मौके पर कोतवाल प्रभारी तारावती यादव , एस आई कृष्णानंद सिंह ,कांस्टेबल राहुल मिश्रा, रवि राय, श्रवण कुमार सहित महिला कांस्टेबल रही।

2648 किलो चोरी की चायपत्ती व पिकप सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के कुशल निर्देशन मे जनपद में हो रहे अपराध को रोकने हेतु अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व क्षेत्राधिकारी जमानियाँ व प्रभारी निरीक्षक जमानियाँ के कुशल निर्देशन में रविवार को प्रभारी निरीक्षक मय हमराही कर्मचारीगण के देखभाल क्षेत्र चेकिंग संदिग्ध वाहन व व्यक्ति में मामूर थे कि मुखवीर खास की सूचना के आधार पर चेकिंग दौरान रइमला नहर पुलिया के पास समय रात्रि करीब 00.50 बजे पिकप वाहन संख्या यूपी 61एटी 7877 जिसमें 100 पैकेट चाय पत्ती कुल वजन 2648 किलो चोरी के माल के साथ

गिरफ्तार कर लिया गया, गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण के विरुद्ध मुकदमा लिखकर माननीय न्यायालय के समक्ष पेशी हेतु भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्तो में ओमप्रकाश यादव पुत्र शिवभजन यादव निवासी बाजार मुहल्ला उसिया थाना दिलदारनगर गाजीपुर उम्र 28 वर्ष, अकबर सुलेमानी उर्फ जुम्मन पुत्र स्व0 बरतुल्ला सुलेमानी निवासी तारनबांध थाना जमानियाँ गाजीपुर 54 वर्ष गिरफ्तार करने वाली टीम में - प्रभारी निरीक्षक श्यामजी यादव उप निरीक्षक आनन्द कुमार भारती, हेड कांस्टेबल सुमित सिंह, हेड कांस्टेबल शुभम यादव, कांस्टेबल रतन कुमार, कांस्टेबल कुन्दन गौड़, कांस्टेबल दीपक कुमार शामिल रहे।

अंतर्राष्ट्रीय नेपाल भारत साहित्य रत्न अवार्ड से नवाजे गए डा. अरविंद कुमार (ग्रीनमैन)

मनिहारी/ दुल्लहपुर (गाजीपुर)। जखनियां तहसील क्षेत्र के मुड़ियारी गांव निवासी अरविंद कुमार आजाद 'ग्रीनमैन' को 'अंतर्राष्ट्रीय नेपाल भारत साहित्य रत्न अवार्ड' से नवाजा गया। इससे पहले भी डा.अरविंद कुमार को विभिन्न साहित्यिक व सामाजिक संस्थाओं द्वारा कई उत्कृष्ट पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। बता दें कि विगत वर्ष चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ में आयोजित विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ भागलपुर द्वारा इन्हें विद्या वाचस्पति डॉक्टरेट की मानद् उपाधि से सम्मानित किया गया। तथा मेरठ विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग में क्रांतिधरा साहित्य अकादमी ने इन्हें 'पर्यावरण प्रहरी' अवार्ड से सम्मानित किया। अटल स्मृति क्रांतिधरा ग्रीनमैन सम्मान, राष्ट्रहित प्रतिभा सम्मान,भोपाल में रामधारी सिंह दिनकर स्मृति सम्मान,राष्ट्रीय सूर वातायन प्रसून सम्मान,पूर्वांचल रत्न,सम्मान, साहित्य श्री सम्मान सहित विभिन्न सम्मानों से

सम्मानित हो चुके हैं।ये सम्मान इन्हें पर्यावरण संरक्षण एवं जागरूकता के क्षेत्र में बेहतर प्रयास एवं सामाजिक क्षेत्र की पंजी.सामाजिक संस्था रूलर डेवलपमेंट एवं रिसर्च फाऊंडेशन के साथ जुड़कर निर्धन गरीब परिवार की बेटियों की शादी में सहयोग तथा निर्धन बच्चों के पढ़ाई में सहयोग इनका सराहनीय योगदान है। इस साहित्यिक महोत्सव में समस्त भारत से साहित्यिक सामाजिक व पत्रकारिता जगत की विभिन्न विभूतियों की सहभागिता रही। जिसमें पटना वरिष्ठ साहित्यकार विभारानी श्रीवास्तव,श्रीमती मीरा प्रकाश,रवि श्रीवास्तव,मधुरेश नारायण,जमशेदपुर से नीता सागर चौधरी लखनऊ से वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक डॉ मनीष शुक्ला सहित अनेक साहित्यिक सामाजिक क्षेत्र की महान विभूतियां आई थी।पंचम नेपाल भारत साहित्य महोत्सव के संयोजक नेपाल के वरिष्ठ साहित्यकार एवं ज्योतिष शिरोमणि डॉक्टर बलराम उपाध्याय रैग्मी जी थे। तथा इस महोत्सव के आयोजक क्रांतिधरा साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ विजय पंडित थे।विदेश में अंतरराष्ट्रीय स्तर के सम्मान से सम्मानित होने की खबर सुनकर डॉ अरविंद कुमार के विभागीय सहकर्मियों,शुभेच्छुओं तथा इष्टजनों ने शुभकामना दी।

महिलाओ के मुद्दे पर स्लोगन लेखन और चित्रकारी से जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

प्रखर वाराणसी। आनंद पार्क दुगाकुंड पर चित्रकारी एवं स्लोगन लेखन कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यक्रम का आयोजन बनारस महिला सम्मेलन के सौजन्य से हुआ। दुगाकुंड आनंद पार्क में धीरेंद्र महिला महाविद्यालय, सुधा महाविद्यालय, आईएफए, बीएचयू और काशी विद्यापीठ के छात्र छात्राओं ने भागीदारी की। ज्ञातव्य है कि आगामी 3 मार्च को बनारस में महिला सम्मेलन आयोजित है। महिला सम्मेलन में नारीवादी संघर्ष और मुद्दों पर जनजागरूकता के लिए साहित्य कला संस्कृति समाजकर्मी राजनैतिक क्षेत्र से प्रबुद्ध महिला नेतृत्व जुटने है। महिला सम्मेलन के समर्थन में प्रचार हेतु आज दुगाकुंड में चित्रकारी के माध्यम से ये अनूठा कार्यक्रम आयोजित किया गया। बनारस कला क्षेत्र से जुड़े छात्र छात्राओं ने आज के कार्यक्रम में बड़ी तादात में भागीदारी की। महिलाओं के शिक्षा स्वास्थ्य यौन हिंसा बराबरी पितृसत्ता आदि विषयों पर कागज और कपड़ो पर स्लोगन और चित्रों को बड़ी सुन्दर प्रस्तुतियां देखने को मिली।

सद्भावना क्लब का 29वां शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न, हफिज शाह बने अध्यक्ष

प्रखर जौनपुर। नगर के कॉलेज हाल में सद्भावना क्लब का 29वां शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआजहां मुख्य अतिथि विधा सागर सोनकर मेंबर विधान परिषद ने नवचयनित अध्यक्ष हफीज शाह को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। तत्पश्चात हफीज शाह ने अपनी कार्यकारिणी को शपथ दिलायी। इसके पहले निवर्तमान अध्यक्ष ने 2022 में किये गये कार्यों के लिये सद्भावना सदस्यों को सम्मानित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधा सागर सोनकर ने कहा कि सद्भावना क्लब एक सामाजिक संस्था है इसके सभी सदस्य देश की प्रगति में अपना अहम योगदान देते हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ क्षीतिज शर्मा ने कहा की सद्भावना क्लब जौनपुर शुरू से सेवा कार्यों व प्रशिक्षण के माध्यम से अलग पहचान बनाये हुए है। विशिष्ट अतिथि नजमुल हसन नजमी ने कहा कि नवनिर्वाचित कार्यकारिणी से अपेक्षा है कि वह वर्ष 2024 को यादगार बनाने में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करे। इस वर्ष नये बनाये गये सदस्यों प्रितेश गुप्ता, रविंद्र यादव, मोहित मौर्या, एजाज, विनीत गुप्ता, धीरज गुप्ता, ताहिर हुसैन कादरी, अमित गुप्ता, लोकेश जावा, सत्यम रावत, अनिल वर्मा,हर्ष माहेश्वरी, बृज भूषण यादव, फरोग, डॉ राशिद

खान, को शपथ दिलाया गया। कार्यक्रम का संचालन मधुसूदन बैकर ने किया। इस अवसर पर डॉ गुलाब चंद मौर्या, जिया राम साहू, शिव शंकर साहू, संतोष अग्रहरी, महेंद्र यादव, चंद्र शेखर गुप्ता, विवेकानंद मौर्या, अशियम, अजय गुप्ता,सहित तमाम लोग उपस्थित रहे,अन्त मेंडॉ अलमदार नजर ने सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

देश को भाजपा की मजहबी फितरतों से बचने की जरूरत : गोपाल यादव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को समाजवादी पार्टी की एक आवश्यक बैठक जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय लोहिया भवन पर आयोजित हुई। इस बैठक में 75 गाजीपुर लोकसभा के प्रत्याशी मा. अफजाल अंसारी का स्वागत किया गया और चुनाव की तैयारी के सम्बन्ध में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अफजाल अंसारी का माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। अपने स्वागत से अभिभूत कार्यकताओं को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए अफजाल अंसारी ने कहा कि मुल्क आज भाजपा सरकार की तानाशाही नीतियों और साम्प्रदायिक सोच के चलते खतरे में है। लगातार बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के चलते देशवासी परेशान हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार विरोधी दलों के नेताओं के साथ बदले की

भावना से काम कर रही है। भाजपा सरकार का यह तानाशाही रवैया लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं। उन्होंने कहा कि सत्ता स्थायी नहीं होती लेकिन भाजपा को यह गलतफहमी हो गयी है कि वह हमेशा सत्ता में बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जनहित के सवाल हल न कर केवल विरोधी दलों के नेताओं को परेशान करने में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि पूंजीपतियों को लाभ पहुंचाने में अंधी हो चुकी भाजपा सरकार जनता के मुंह के निवाले और हाथ से काम छिन रही हैं ।भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और अन्याय चरम सीमा पर है। कानून व्यवस्था ध्वस्त है। सबसे ज्यादा महिला उत्पीड़न उत्तर प्रदेश में हो रहा है। पुलिस हिरासत में मौतें सबसे ज्यादा भाजपा सरकार में हो रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से किसान, नौजवान, व्यापारी, महिला सभी परेशान हैं। मंहगाई, बेरोजगारी बेलगाम है। स्वास्थ्य सेवाएं चौपट हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र को सशक्त करने और स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों को जीवित रखने की आवश्यकता है। लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए समाजवादी पार्टी कोई भी कुबार्नी देने के लिए हमेशा तैयार है। जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने भाजपा सरकार की नापाक साजिशों और फितरतों से सावधान रहने की हिदायत देते हुए कहा कि आज रोजगार न मिलने और लगातार मंहगी होती शिक्षा से छात्र और नौजवान अथाह पीड़ा में हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार नौजवानों को नौकरी देना ही नहीं चाहती। आये दिन प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने के चलते बेरोजगार नौजवान हताश हैं। वह अपनी डिग्रियां जला रहे हैं और आत्महत्या कर रहे है। नौजवान अपनी बढ़ती उम्र और रोजगार न मिलने की दशा में बहुत चिंतित हैं। लेकिन भाजपा सरकार इन नौजवानों और किसानों की समस्या न हल कर वह पूंजीपतियों की खिदमत में व्यस्त है । किसानों को एम एस पी की मांग पूरी करने और कर्मचारियों को पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग के सवाल पर अर्थव्यवस्था चौपट होने की दुहाई देने वाले इस सरकार ने 14 लाख करोड़ रुपए का कर्ज पूंजीपतियों के माफ करने के साथ-साथ 10 लाख करोड़ रुपए पूंजीपतियों को लोन देने से इनकी अर्थव्यवस्था चौपट नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जिस देश का किसान और नौजवान दुखी और निराश होगा वह देश कभी तरक्की नहीं कर सकता। उन्होंने सभी किसानों और नौजवानो से भाजपा सरकार के खिलाफ लामबंद होने का आह्वान किया और कहा कि देश हित में भाजपा सरकार को सत्ता से बेदखल करना जरूरी है।

संक्षिप्त खबरें

अराजक तत्वों ने तोड़ी अंबेडकर प्रतिमा की अंगुली, आक्रोश

प्रखर जखनिया गाजीपुर । शादियाबाद थाना क्षेत्र के सुल्तानीपुर गांव के डॉक्टर भीमराव अंबेडकर प्रतिमा की अंगुली को अराजक तत्वों द्वारा क्षतिग्रस्त कर दिया गया ।जिसकी जानकारी गांव के लोगों को रविवार को सुबह होते ही गांव के लोगों में आक्रोश फैल गया। सूचना पर नायब तहसीलदार विवेकानंद सिंह, शादियाबाद थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार बरवार , क्षेत्राधिकार सहित दर्जनों की संख्या में पुलिस बल पहुंच गए। प्रशासन द्वारा क्षतिग्रस्त प्रतिमा की उंगली को मरम्मत कराकर अवांछनीय तत्वों को गिरफ्तार के.साथ. ही कार्यवाही करने के आश्वासन के साथ ही ग्राम प्रधान द्वारा चहार दिवारी बनवाने के आश्वासन पर धरना समाप्त हुआ। प्रतिमा खंडित होने की जानकारी पर पांस पड़ोस के गांव के लोग भी पहुंच कर दर्जनों महिलाओं के साथ भीम आर्मी के प्रदेश सचिव विनय सागर के नेतृत्व में काफी संख्या में लोग धरने पर बैठ कर अराजक तत्वों को गिरफ्तार करने की मांग के साथ ही नारेबाजी करने लगे। गौरतलब हो की प्रतिमा को खंडित करने वाले अराजकतत्वों द्वारा चौथी बार क्षतिग्रस्त करने पर लोगों के अंदर जनाक्रोश रहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा आश्वासन दिया जाता है की कार्रवाई की जाएगी ,परंतु कोई कार्रवाई नहीं की जाती ।प्रतिमा खंडित होने की तहरीर गांव के पंकज द्वारा दी गई। थानाध्यक्ष ने तहरीर के आधार पर अराजकतत्वों को जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। मौके पर प्रिंस कुमार ,ऋषभ, चंदन, कमलेश, विशाल, मुकेश, चंद्रिका भारती ,उर्मिला ,अनीता , लीलावती , प्रमुख रूप से रही ।नायब तहसीलदार ने बताया कि ग्राम प्रधान द्वारा अंबेडकर पार्क की चहार दीवारी जल्द बनवाई जाएगी ।

लोगों ने सुनी मन की बात का 110वां एपीसोड

प्रखर जखनिया गाजीपुर । मन की बात का 110 वां एपिसोड को सुना। प्रमोद वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के भविष्य को प्रगति के राह पर ले जाने के लिए तत्पर है। 2014 के बाद भारत ने हर क्षेत्र में विकास किया है।जो उनका सपना है कि हमारे देश के नौजवान, किसान, माताएं शोषित वंचित गरीब लोगों का उत्थान हो और यह राष्ट्र आजादी के 100वे स्वतंत्रता दिवस 2047 में विकसित राष्ट्र हो निश्चित रूप से उनके द्वारा किए गए ।भारत को ऊर्जा और उत?साह से भरे अपने युवाओं पर गर्व है। आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उल?लेख करते हुए मोदी ने कहा कि यह विशेष दिन देश की विकास यात्रा में महिला शक्ति के योगदान को नमन करने का अवसर है। भारत की महिला शक्ति आज प्रत?येक क्षेत्र में प्रगति की नई ऊंचाइयों का स?पर्श कर रही है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मवीर राजभर, उपाध्यक्ष शिव शंकर चौहान, महामंत्री पीयूष सिंह, अनिल जायसवाल, अशोक यादव, संजय सिंह, बिंदु गुप्ता, गुड़िया देवी, रेखा देवी, यशोदा देवी, गोलू गुप्ता, संतोष राजभर, प्रकाश राजभर, आदित्य वर्मा, विपिन गुप्ता, संजय सहित लोग रहे।

सड़क गड्ढे में तब्दील, बनी जानलेवा

प्रखर जखनिया गाजीपुर। स्थानीय तहसील मुख्यालय से चहुंओर 10 से 15 किलोमीटर तक आने जाने वाली सड़क टूट कर गड्ढा युक्त हो गई है ।चाहे शादियाबाद ,सादात , दुल्लहपुर ,फदुपुर ,बहरियाबाद, तक की सभी सड़के टूट कर गड्ढा युक्त हो गई है। जिस पर भारी वाहन भी आने जाने से कतराते हैं, भारी वाहन जखनिया ,भुडकुडा ,बुढानपुर ,रामपुर बलभद्र बाजारों मे सामान पहुंचाने के लिए खराब सड़क का हवाला देकर व्यापारियों से अत्यधिक किराया भी वसूल करते हैं। स्थानीय तहसील की प्रमुख समस्याओं में सड़क का खराब गड्ढा युक्त होना प्रमुख है ।इसके लिए जनप्रतिनिधि हो या संबंधित अधिकारी भी सड़क बनवाने से मुंह मोड़ लिए हैं। क्षेत्र में आने पर क्षेत्रीय जनता और छोटे भैया कार्यकताओं द्वारा सड़क खराब होने की याद दिलाते वक्त जनप्रतिनिधि सडक बनवाने का आश्वासन भरपूर देते हैं। क्षेत्र से बाहर जाने के बाद उन्हें सड़क बनवाने या सड़क बनवाने की पहल करना भी भूल जाते हैं। जिसे लेकर क्षेत्रीय जनता में आक्रोश है ।इस संबंध में तहसील विकास संघर्ष समिति के अध्यक्ष देवनारायण सिंह ने तहसील मुख्यालय की सड़कों की दशा का एक पत्रक विधानसभा सदस्य चंचल सिंह को भेज कर इनके दिए गये आश्वासन की याद दिलाकर सड़क बनवाने के लिए धन निर्गत करवाने व सडक बनवाने की मांग की ।

पुलिस लाइन ग्राउंड में अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में किया गया दंगा नियन्त्रण ड्रिल का अभ्यास

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के कुशल निर्देशन में पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में बलवा व दंगा नियंत्रण ड्रिल का आयोजन किया गया, जिसमे क्षेत्राधिकारी नगर, प्रतिसार निरीक्षक लाइन, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली, थानाध्यक्ष महिला थाना तथा पुलिस लाइन, कोतवाली तथा महिला थाना के कर्मचारीगण द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस अवसर पर श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण महोदय द्वारा समस्त पुलिस बल को बलवा व दंगा नियंत्रण ड्रिल के बारे में जानकारी व उनसे संबंधित शस्त्रों के बारे में जानकारी देते हुए शास्त्राभ्यास व रिहर्सल कराया गया। इसके अतिरिक्त जनपद के समस्त थानो में उनके प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष के नेतृत्व में दंगा नियंत्रण ड्रिल का आयोजन किया गया।

अवधूत भगवान राम नेत्र चिकित्सालय में लगा निःशुल्क शिविर, पूर्व मंत्री विजय मिश्रा ने किया उद्घाटन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। दिलदारनगर स्थित अवधूत भगवान राम नेत्र चिकित्सालय गिरनार आश्रम के तत्वावधान में आयोजित निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन पूर्व मंत्री विजय मिश्र ने फीता काटकर किया। इसमें क्षेत्र के विभिन्न गांवों के लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया। आँख की जांच के बाद 21 रोगियों का चयन ऑपरेशन के लिए किया गया। ऑपरेशन वाराणसी से आये अनुभवी डॉक्टरो द्वारा किया गया। वही लोगों को निःशुल्क चश्मा व लोगों को दवा भी वितरित किया गया। इस मौके पर श्री मिश्र ने कहा कि संस्था द्वारा जरूरत मंदो का सफल आँख का ऑपरेशन किया जा रहा है वही दूसरी तरफ माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा आयुष्मान योजना, जन औषधि, नये मेडिकल कॉलेज व एम्स आदि स्वास्थ्य सेवाओं से देश व प्रदेश को स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर किया जा रहा है। इस नेक कार्य के लिए संस्था के प्रति आभार और साधुवाद प्रकट किया । इस दौरान वेद प्रकाश, एडवोकेट शिबू, संजय यादव, वीर भद्र सिंह, अरविंद सिंह सचिव, राहुल सिंह, मिथलेश सिंह गहमरी आदि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ अधिवक्ता रणजीत सिंह ने किया।

संक्षिप्त खबरें

यूएई, युगांडा, बारबाडोस व जिब्राल्टर निगरानी सूची से हटे

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) ने शुक्रवार को कहा कि वह यूएई को उन देशों की तथाकथित 'ग्रे' सूची से हटा रहा है, जो धनशोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण से लड़ने के लिए सभी तरह के कदम नहीं उठाते हैं। पेरिस में एफएटीएफ की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया है। एफएटीएफ ने धनशोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने संबंधी नीतियों में सुधार को लेकर यूएई की सराहना की है। एफएटीएफ ने शुक्रवार को बैठकों के बाद एक बयान में कहा कि बारबाडोस, जिब्राल्टर और युगांडा को भी 'ग्रे' सूची से बाहर किया जाएगा।

आस्ट्रेलिया ने 55 लोगों पर लगाया प्रतिबंध

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन के समर्थन में उनके देश ने 55 लोगों और 37 कानूनी संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया है। शुक्रवार को अमेरिकी सरकार ने रूस पर 500 से ज्यादा अतिरिक्त प्रतिबंध लगाया। अमेरिकी प्रशासन के अनुसार, यूक्रेन में निरंतर सैन्य अभियान चलाने के लिए रूस को दंडित करने के उद्देश्य से यह प्रतिबंध लगाया गया। अमेरिका ने पिछले सप्ताह रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में मौत के लिए तीन रूसी अधिकारियों को भी निशाना बनाया। सुश्री वोंग ने कहा, हम यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने समर्थन में खड़े हैं, आज ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने 55 लोगों पर वित्तीय प्रतिबंध और याा प्रतिबंध लगाए हैं और 37 संस्थाओं पर वित्तीय प्रतिबंध लगाए हैं।

गाजा पर इस्राइली हमले में 22 मरे

गाजा। मध्य गाजा पट्टी में एक घर पर इस्राइली हवाई हमले में 22 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और अन्य घायल हो गए। दीर अल-बलाह का यह घर विस्थापित लोगों को आश्रय दे रहा था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने फिलिस्तीनी सुरक्षा और चिकित्सा सूत्रों के हवाले से बताया कि मृतकों और घायलों को शहर के अल-अक्सा शहीद अस्पताल ले जाया गया। लापता लोगों की खबरों के बीच नागरिक सुरक्षा दल घर के मलबे के नीचे बचे लोगों की तलाश कर रहे हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पिछले साल अक्टूबर में इस्राइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से तटीय इलाके में फिलिस्तीनियों की मौत का आंकड़ा 29,514 तक पहुंच गया है।

कर्नाटक : सड़क दुर्घटना में छह लोगों की मौत

बेलगावी। कर्नाटक के बेलागावी जिले से लगभग 90 किलोमीटर दूर दत्त जंबोटी रोड पर हुई दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया, शुक्रवार को हुई दुर्घटना में पांच लोगों की घटनास्थल पर जबकि एक अन्य की अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार एक कार ने खड़े हुए दोपहिया वाहन और फिर एक अन्य दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी, खड़े हुए वाहन के पास मौजूद दो लोगों को गंभीर चोट आई और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, उनमें से हनमंत मलप्पा माल्यागोल नामक व्यक्ति की अस्पताल में मृत्यु हो गई। अन्य मृतकों की पहचान एकनाथ भीमप्पा पदतारी (22), मल्लिकार्जुन रामप्पा मराठे (16), आकाश रामप्पा मराठे (14), लक्ष्मी रामप्पा मराठे (19) और नागपा लक्ष्मण यादवन्नावर (48) के रूप में हुई है।

कश्मीर में एनआईए का नार्को टेरर के खिलाफ बड़ा एक्शन

नई दिल्ली। कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले फंडिंग नेटवर्क को खत्म करने की दिशा में एनआईए ने बड़ा कदम उठाया है। एनआईए ने हंदवाड़ा नार्को-टेरर केस में चार संपत्तियों को कुर्क किया है। साथ ही नकदी भी जब्त की गई है। ये संपत्ति दो प्रतिबंधित आतंकी संगठन, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से संबंधित हैं।

■ प्रतिबंधित आतंकी संगठन, लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन से सम्बद्ध 4 संपत्तियां कुर्क

दरअसल, एनआईए द्वारा कुपवाड़ा जिले की हंदवाड़ा तहसील में चार आरोपियों की संपत्तियों को कुर्क किया गया है। साथ ही यूएपीए की धारा 25 के तहत कुल 2.27 करोड़ रुपये नकदी भी जब्त की गई है। कुर्क की गई अचल संपत्तियों में आरोपी अफाक अहमद वानी का दो मंजिला घर, आरोपी मुनीर अहमद पांडे का एक मंजिला घर, सलीम अंद्राबी का घर और इस्लाम उल हक का दो मंजिला घर शामिल हैं। मामले में अब तक कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें एनआईए ने 15 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है।

बता दें कि मामला (आरसी 03/2020/एनआईए/जेएमयू) हंदवाड़ा-कुपवाड़ा क्षेत्र में सक्रिय लश्कर और हिजबुल द्वारा हिंसक आतंकी गतिविधियों को वित्त पोषित करने के लिए नशीली दवाओं की कमाई के इस्तेमाल से संबंधित है। हंदवाड़ा के लंगेट इलाके में वाहनों की जांच के दौरान एक काला बैग और बड़ी संख्या में 500 रुपये के नोट की बरामदगी के बाद मामला दर्ज किया गया था. यह बरामदगी बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की सफेद क्रेटा कार से की गई थी। कार के ड्राइवर अब्दुल मोमिन पीर से शुरु आती पूछताछ में नार्को टेरर नेक्सस के बारे में खुलासे हुए थे।

इस मामले में एनआईए द्वारा विस्तृत जांच शुरू कर दी गई थी। इसके बाद कई आरोपियों के घरों में तलाशी के दौरान बड़ी मात्रा में नकदी सहित विभिन्न आपत्तिजनक सामग्री के अलावा, 21 किलोग्राम हेरोइन जब्त की गई थी।

ईडी के खिलाफ याचिका पर तमिलनाडु से जवाब तलब

नई दिल्ली (भाषा)। सुप्रीम कोर्ट ने धनशोधन के एक मामले की जांच में प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ मद्रास उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करने पर तमिलनाडु सरकार से जवाब तलब किया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने अवैध रेत खनन मामले की जांच के सिलसिले में वेल्लोर, तिरुचिरापल्ली, करूर, तंजावुर और अरियालुर के जिलाधिकारियों को तलब किया था। इस पर राज्य सरकार तथा नौकरशाहों ने मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया था जिसके बाद उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय के समन पर रोक लगा दी थी।

■ सुप्रीम कोर्ट ने पूछा, राज्य की इसमें क्या रुचि है

प्रवर्तन निदेशालय ने उच्च न्यायालय के इस आदेश को शीर्ष अदालत में चुनौती दी है। न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी, न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ ने तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश वकील से कहा,' राज्य यह रिट याचिका कैसे दाखिल कर सकता है ? किस कानून के तहत ? आप हमें बताएं कि राज्य की इसमें क्या रुचि है और वह प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ यह रिट याचिका कैसे दायर कर सकता है। राज्य कैसे पीड़ित है।' पीठ ने कहा कि अधिकारियों को ईडी के साथ सहयोग करना चाहिए। राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी और अमित आनंद तिवारी ने कहा कि तमिलनाडु अपने अधिकारियों को एजेंसी की 'अवैध' जांच से बचाने के लिए बाध्य है। वहीं जांच एजेंसी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने अदालत को बताया कि जिलाधिकारियों को आरोपी नहीं बनाया गया है, उन्हें केवल गवाह के रू में बुलाया गया था।

प्रयागराज : माघी पूर्णिमा के अवसर पर शनिवार को संगम में स्नान व पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु।

देशभर में बनेंगे हजारों वेयर हाउस : मोदी

■ नई दिल्ली (भाषा)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को 11 राज्यों में प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पैक्स) में अनाज भंडारण के लिए 11 गोदामों का उद्घाटन किया। ये गोदाम सहकारी क्षेत्र में सरकार की दुनिया की सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना का हिस्सा हैं। इस योजना के तहत 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश शामिल है। मोदी ने गोदामों और अन्य कृषि बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए देश भर में अतिरिक्त 500 पैक्स की आधारशिला भी रखी। इन पहलों का मकसद नाबार्ड और राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) की मदद से पैक्स गोदामों को खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला के साथ निर्बाध रूप से जोड़ना है।

प्रधानमंत्री ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सहकारी क्षेत्र एक लचीली अर्थव्यवस्था को आकार देने और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति देने में सहायक है। उन्होंने कहा, 'आज हमने अपने किसानों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी भंडारण योजना शुरू की है। इसके तहत देश भर में हजारों वेयरहाउस और गोदाम बनाए जाएंगे।' उन्होंने कहा कि इसके तहत 700 लाख टन भंडारण क्षमता बनाई जाएगी। मोदी ने सहकारी क्षेत्र से आग्रह किया कि वे खाद्य तेलों और उर्वरकों सहित कृषि उत्पादों के लिए आयात निर्भरता कम करने में मदद करें। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि देश में भंडारण बुनियादी ढांचे की कमी के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

■ पीएम ने सबसे बड़ी अनाज भंडारण योजना के तहत 11 गोदामों का उद्घाटन किया

प्रधानमंत्री ने कहा, 'पिछली सरकारों ने इस समस्या पर कभी ध्यान नहीं दिया। लेकिन, आज पैक्स के जरिए इस समस्या का समाधान किया जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्यान्न भंडारण कार्यक्रम के तहत अगले पांच वर्षों में 700 लाख टन भंडारण क्षमता बनाई जाएगी। इस पहल पर 1.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च होंगे।'

मोदी ने कहा कि विशाल भंडारण सुविधाओं के निर्माण से किसान अपनी उपज को गोदामों में रखने, इसके बदले संस्थागत ऋण लेने और अच्छी कीमत हासिल करने में सक्षम होंगे। उन्होंने सहकारी समितियों की चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता लाने के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि इससे सहकारी आंदोलन में लोगों की अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि एक अलग मंत्रालय के माध्यम से देश में सहकारी समितियों को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। मोदी ने यह भी कहा कि बहु-राज्य सहकारी सोसायटी अधिनियम में संशोधन किया गया है और पैक्स का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने देश भर में 18,000 पैक्स के कम्प्यूटरीकरण के लिए एक परियोजना का भी उद्घाटन किया।

क्वाड का दृष्टिकोण एकतरफा नहीं, सहयोगात्मक : जयशंकर

■ नई दिल्ली (भाषा)।

■ कहा, क्वाड इस बात की अभिव्यक्ति है कि हमारी पसंद पर कोई और 'वीटो' नहीं कर सकता

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता पर वैश्विक चिंताओं के बीच कहा कि क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) इस बात की अभिव्यक्ति है कि समान विचारधारा वाले देशों की पसंद पर कोई अन्य 'वीटो' का इस्तेमाल नहीं कर सकता। यह गठबंधन टिके रहने, विकास करने और वैश्विक समृद्धि में योगदान देने के लिए किया गया है। इसका मुख्य दृष्टिकोण एकतरफा नहीं, सहयोगात्मक है।

जयशंकर ने एक थिंक-टैंक मंच को संबोधित करते हुए भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के गठबंधन को एक 'ओवरहेड लाइट' (पथ प्रदर्शक प्रकाश पुंज) के रूप में वर्णित किया जो एक 'रचनात्मक, लचीला, सक्रिय, जवाबदेह और खुले दृष्टिकोण वाला' उपक्रम है। विदेश मंत्री ने कहा कि 'क्वाड' एक बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था के विकास को दर्शाता है और इसका मुख्य दृष्टिकोण एकतरफा नहीं, सहयोगात्मक है। जिन सिद्धांतों के लिए यह चार देशों वाला क्वाड समूह खड़ा है, उनका जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा, 'सभी चारों देशों की सरकारों ने अपने सामान्य व्यवहार से अलग व्यवहार किया है। क्वाड एक 'ओवरहेड लाइट' है और रचनात्मक, लचीला, सक्रिय, जवाबदेह और व्यापक दृष्टिकोण वाला उपक्रम है। ये ऐसे विशेषण नहीं हैं जिन्हें हम नौकरशाही के साथ आम तौर पर जोड़ते हैं।

जयशंकर ने कहा कि क्वाड के पांच संदेश हैं 'पहला संदेश है - यह बहुध्रुवीय व्यवस्था के विकास को दर्शाता है, दूसरा संदेश है-यह गठबंधन के बाद और शीत युद्ध के बाद की सोच है, तीसरा संदेश है-यह प्रभाव क्षेत्रों के खिलाफ है, चौथा संदेश है -यह वैश्विक क्षेत्र के लोकतंत्रीकरण और एकतरफा नहीं, बल्कि सहयोगात्मक दृष्टिकोण को व्यक्त करता है और पांचवां संदेश है-यह इस बात की अभिव्यक्ति है कि इस समय और इस दौर में हमारी पसंद पर कोई और 'वीटो' का इस्तेमाल नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि क्वाड हिद प्रशांत के उद्भव से जुड़ा है और यह ऐसी वैश्विक व्यवस्था में बदलाव से प्रेरित है जिसके लिए 'कम नहीं, अधिक सहयोग' की आवश्यकता है। विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि क्वाड 'यहां टिके रहने के लिए है, क्वाड यहां विकास करने के लिए है और क्वाड यहां योगदान देने के लिए है।' उन्होंने इसे और अधिक समसामयिक, प्रासंगिक और अधिक प्रभावशाली बनाने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में डिजिटल माध्यम से शामिल हुई ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि क्वाड एक ऐसे क्षेत्र के लिए खड़ा है जहां किसी को डराया-धमकाया नहीं जाता, जहां प्रतिस्पर्धा को जिम्मेदारी से प्रबंधित किया जाता है और विवादों को अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार निपटाया जाता है। जापानी विदेश मंत्री योको कामिकावा ने एक संक्षिप्त वीडियो संदेश में कहा कि दुनिया गहरे विभाजन से जूझ रही है और कानून के शासन पर आधारित एक स्वतंत्र और खुली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बनाए रखना और मजबूत करना आवश्यक है।

कांग्रेस का मंदिरों पर टैक्स का मंसूबा फेल

बेंगलुरू (भाषा)। कर्नाटक में 10 लाख से अधिक वार्षिक आय वाले मंदिरों से कोष एकत्र करने संबंधी कांग्रेस सरकार का एक विधेयक विधान परिषद में विपक्षी भाजपा-जद(एस) गठबंधन के विरोध के चलते गिर गया। कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती (संशोधन) विधेयक 2024 को इस सप्ताह की शुरुआत में विधानसभा से मंजूरी मिल गई थी। शुक्रवार को उच्च सदन में ध्वनिमत से विधेयक गिर गया, जहां विपक्षी दलों के पास बहुमत है। विधेयक में 10 लाख रुपये से एक करोड़ रुपये के बीच वार्षिक आय वाले मंदिरों से पांच प्रतिशत और एक करोड़ रुपये से अधिक आय वाले मंदिरों से 10 प्रतिशत राशि एकत्रित करने का प्रस्ताव है।

कर्नाटक

■ भाजपा-जद (एस) की एकता से विधान परिषद में गिरा संबंधित बिल

विधेयक में कहा गया है कि एकत्रित धन को 'राज्य धार्मिक परिषद' द्वारा प्रशासित एक साझा कोष में डाला जाएगा, जिसका उपयोग पांच लाख से कम आय वाले 'सी' श्रेणी के मंदिरों (राज्य नियंत्रित) के पुजारियों के कल्याण के लिए किया जाएगा। विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष कोटा श्रीनिवास पुजारी ने पुजारियों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के कदम का स्वागत किया, हालांकि मंदिरों द्वारा अर्जित राजस्व के दुरुपयोग का विरोध किया। उन्होंने सवाल किया कि सरकार उनके कल्याण के लिए बजट के तहत धन क्यों नहीं दे सकती। विपक्ष ने विधेयक में मंदिर समिति के अध्यक्ष को सरकार द्वारा मनोनीत करने के प्रस्ताव का भी विरोध किया। 'मुजराई' मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने विपक्ष को समझाने की कोशिश करते हुए सदन को आश्वासन दिया कि सरकार मंदिर समिति के अध्यक्ष के मनोनयन में हस्तक्षेप नहीं करेगी और मंदिरों से साझा कोष में दी जाने वाली प्रस्तावित राशि को भी कम करेगी। विपक्ष ने विधेयक पारित करने से पहले इसमें संशोधन किए जाने पर जोर दिया, जिसको देखते हुए रेड्डी ने सोमवार तक का समय मांगा और कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के साथ इस पर चर्चा करने की जरूरत है क्योंकि इसमें वित्तीय निहितार्थ शामिल है। इसके बाद विधेयक पर मतदान हुआ और यह विपक्षी भाजपा-जद(एस) गठबंधन के संख्या बल की वजह से गिर गया।

अफसरों के तबादले पर चुनाव आयोग ने दिए निर्देश

नई दिल्ली (भाषा)। निर्वाचन आयोग ने राज्यों से यह सुनिश्चित करने को कहा है कि जिन अधिकारियों का किसी जिले से तबादला चुनाव के पहले उसकी नीति के तहत किया जाता है उनकी नियुक्ति उसी संसदीय क्षेत्र में किसी जिले में नहीं हो।

चुनाव से पहले अधिकारियों को स्थानांतरित करने की अपनी नीति में बदलाव करके निर्वाचन आयोग ने उन खामियों को दूर करने की कोशिश की है जिनका राज्य सरकारों द्वारा बेजा फायदा उठाया जा रहा था। यह कदम चुनाव प्राधिकरण द्वारा उन मामलों पर 'गंभीरता से ध्यान' देने के बाद उठाया गया है जिनमें राज्य सरकारों की ओर से अधिकारियों को उसी संसदीय क्षेत्र के निकटवर्ती जिलों में स्थानांतरित किया गया था। सभी अधिकारी जो या तो अपने गृह जिले में तैनात थे या एक ही स्थान पर तीन साल पूरे कर चुके है, उन्हें लोकसभा या विधानसभा चुनावों से पहले यह सुनिश्चित करने के लिए स्थानांतरित कर दिया जाता है कि वे किसी उम्मीदवार या पार्टी के पक्ष में समान अवसर को बाधित न करें। आयोग ने एक बयान में शनिवार को कहा, आयोग ने यह सुनिश्चित करने के लिए स्थानांतरण नीति को मजबूत किया है कि अधिकारी चुनावों में समान अवसर में बाधा न पैदा कर सकें। आयोग ने कहा, मौजूदा निर्देशों में खामियों को दूर करते हुए आयोग ने निर्देश दिया है कि दो संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों वाले राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को छोड़कर सभी राज्य यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन अधिकारियों को जिले से बाहर स्थानांतरित किया गया है उनकी नियुक्ति उसी संसदीय क्षेत्र में नहीं की जाए।

फिलिस्तीन में नई इस्राइली बस्तियां बसाना अवैध : अमेरिका

■ चार्ल्सटन (भाषा)।

■ कहा, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप नहीं है

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि वेस्ट बैंक में नई इस्राइली बस्तियां अवैध हैं और अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप नहीं हैं। ब्लिंकन का यह बयान पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शासनकाल के दौरा अपनाए गए अमेरिकी रुख के विपरीत है।

अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनस आयर्स में विदेश मंत्री डायना मोनडिनो के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ब्लिंकन ने कहा कि बस्तियों के विस्तार की इस्राइल की नयी योजना से वह निराश हैं। ब्लिंकन ने एक सवाल के जवाब में कहा, हमने खबरें देखी हैं और मै कहना चाहता हूं कि हम घोषणा से निराश हैं। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टियों के प्रशासन के दौरान लंबे समय से अमेरिका की नीति रही है कि नयी बस्तियां स्थायी शांति के लिहाज से प्रतिकूल हैं। उन्होंने कहा, इसके अलावा ये अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार भी नहीं हैं। हमारा प्रशासन बस्तियों के विस्तार का कड़ा विरोध करता रहा है। और हमें लगता है कि इससे इस्राइल की सुरक्षा मजबूत नहीं बल्कि कमजोर होगी। इससे एक दिन पहले इस्राइल के धुर दक्षिणपंथी वित्त मंत्री बेलालेल स्मोटरिच ने बस्तियों में तीन हजार से अधिक मकान बनाने का संकेत दिया था। ब्लिंकन का यह बयान पूर्व विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो के रुख के विपरीत है। बाइडन प्रशासन का यह रुख पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस्राइल समर्थक नीतियों से भी अलग है। ट्रंप प्रशासन के दौरान 2019 में तत्कालीन विदेश मंत्री माइक पॉम्पियो ने दावा किया था कि वेस्ट बैंक में इस्राइली नागरिक बस्तियां बसाया जाना अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ नहीं है।

ईरान ने रूस को मिसाइल बेचने के आरोपों को किया खारिज

■ तेहरान (आईएएनएस)।

ईरान ने पश्चिमी मीडिया की उन खबरों का खंडन किया है कि उसने यूक्रेन के खिलाफ इस्तेमाल के लिए रूस को बैलिस्टिक मिसाइलें बेची थीं। ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बयान में कहा कि तेहरान पर बैलिस्टिक मिसाइल की बिक्री पर कोई कानूनी प्रतिबंध नहीं है, लेकिन रूस-यूक्रेन संघर्ष के दौरान हथियारों के लेनदेन से बचना उसका नैतिक दायित्व है।

■ कहा, इस तरह के आरोप निराधार

बुधवार को सूत्रों के हवाले से एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि ईरान ने रूस को बड़ी संख्या में सतह से सतह पर मार करने वाली शक्तिशाली बैलिस्टिक मिसाइलों की आपूर्ति की है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बाइडन प्रशासन ने बृहस्पतिवार को ईरान को चेतावनी दी कि अगर उसने रूस को बैलिस्टिक मिसाइलें प्रदान की, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसके खिलाफ कार्रवाई करेगा। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रवक्ता जॉन किबी ने एक वर्चुअल प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि वाशिंगटन ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि ईरान ने रूस को मिसाइलों की आपूर्ति की। उन्होंने कहा, अपनी ओर से हम इस मामले को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ले जाएंगे। हम ईरान के खिलाफ अतिरिक्त प्रतिबंध लागू करेंगे और हम अपने सहयोगियों और भागीदारों के साथ आगे के विकल्पों पर बात करेंगे। यूक्रेन और पश्चिमी देशों ने ईरान पर यूक्रेन संघर्ष में उपयोग के लिए रूस को ड्रोन निर्यात करने का आरोप लगाया है लेकिन ईरान ने आरोपों को निराधार कहकर खारिज कर दिया है।

भारतीय युद्धपोत ने अदन खाड़ी में जहाज बचाया

नई दिल्ली (भाषा)। अदन की खाड़ी में एक संदिग्ध ड्रोन या मिसाइल हमले के बाद एक व्यापारिक जहाज में आग लगने पर एक भारतीय युद्धपोत ने उसे सहायता प्रदान की। भारतीय सैन्य अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि 'एमवी आइलैंडर' पर बृहस्पतिवार को हमला हुआ जिसमें जहाज के चालक दल का एक सदस्य घायल हो गया। उन्होंने बताया कि नौसेना की एक विस्फोटक आयुध निपटान टीम पोत पर गई और उसे संभावित जोखिम से बचाया। इसके बाद पोत को आगे की यात्रा की मंजूरी दी गई। हमले की यह घटना हूती उग्रवादियों द्वारा लाल सागर में विभिन्न वाणिज्यिक जहाजों पर किये जा रहे हमलों को लेकर बढती वैश्विक चिंताओं के बीच हुई है। उन्होंने बताया कि भारतीय नौसेना की एक चिकित्सा टीम भी 'एमवी आइलैंडर' पर पहुंची और उसने घायल चालक दल के सदस्य को चिकित्सा सहायता प्रदान की।

जाह्नवी मौत मामले में भारत सख्त

■ वाशिंगटन (भाषा)।

■ सिएटल के अधिकारियों के समक्ष उठाया मुद्दा

भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत के मामले में आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ सबूतों के अभाव में मुकदमा नहीं चलाए जाने की अभियोजन अटॉर्नी की दलील के बाद सिएटल में भारत के वाणिज्य दूतावास ने अधिकारियों के समक्ष यह मामला उठाया है।

सिएटल में पिछले साल 23 जनवरी को सड़क पार करते समय 23 वर्षीय कंडुला को अधिकारी केविन डेव द्वारा चलाए जा रहे एक पुलिस वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसके बाद कंडुला की मौत हो गई थी। हादसे के समय वाहन की रफ्तार 119 किलोमीटर प्रतिघंटा से ज्यादा थी। घटना के वक्त पुलिस अधिकारी के शरीर पर लगे कैमरे का ऑडियो वायरल होने के बाद सवाल उठे थे, जिसमें उनका सहकर्मी डेनियल ऑडेरर इस हादसे को लेकर हंसता हुआ सुनाई दिया था। बुधवार को, किग काउंटी अभियोजक कार्यालय ने कहा कि आपराधिक मामले को उचित संदेह से परे साबित करने के लिए सबूतों की कमी के कारण सिएटल पुलिस अधिकारी केविन डेव के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाएंगे। सिएटल में भारत के वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह मामले में प्रगति की निगरानी कर रहा है और कंडुला तथा उनके परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने में हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को 'एक्स' पर लिखा, जाह्नवी कंडुला की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के संबंध में किग काउंटी अभियोजन अटॉर्नी की हाल ही में जारी जांच रिपोर्ट को लेकर वाणिज्य दूतावास जाह्नवी के परिवार के साथ नियमित संपर्क में है और जाह्नवी व उसके परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा। वाणिज्य दूतावास ने लिखा, हमने उचित समाधान के लिए सिएटल पुलिस समेत स्थानीय अधिकारियों के साथ भी मामले को जोरदार ढंग से उठाया है। मामले को अब समीक्षा के लिए सिएटल सिटी अटॉर्नी के कार्यालय में भेजा गया है।

नवलनी का शव उनकी मां को सौंपा

■ मॉस्को (एपी)।

रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी का शव उनकी मां को सौंप दिया गया है। नवलनी के एक सहयोगी ने शनिवार को यह जानकारी दी। नवलनी के भ्रष्टाचार-रोधी फाउंडेशन के निदेशक इवान जदानोव ने अपने टेलीग्राम अकाउंट पर यह घोषणा की।

साथ ही इवान ने उन सभी लोगों का आभार जताया, जिन्होंने नवलनी का शव उनकी मां को सौंपे जाने की रूसी अधिकारियों से मांग की। इससे पहले दिन में नवलनी की पत्नी यूलिया नवलनाया ने आरोप लगाया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नवलनी की मृत्यु के बाद गुप्त रूप से उनका अंतिम संस्कार करने के लिए विपक्षी नेता की मां को मजबूर करने की कोशिश की, जो ईसाई धर्म का मजाक उड़ाने जैसा है।

बिल्डर की साख

लग्जरी परियोजना में निवेश से पहले यह जरूर देख लें कि वह परियोजना कौन सा बिल्डर बना रहा है और पूर्व में उसने ऐसी कौन सी परियोजनाएं विकसित की है। दरअसल ऐसी परियोजनाओं में सुख-सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाता है ऐसे में उसके निर्माण के लिए अलग अनुभव की आवश्यकता होती है। यही नहीं इस श्रेणी की कई परियोजनाओं को सभी ग्राहकों के लिए बुकिंग नहीं खोली जाती अपितु चुनिंदा ग्राहकों को उसमें निवेश के लिए आमंत्रित किया जाता है। वहीं ऐसी परियोजना बनाने वाले बिल्डर की साख यदि बाजार में बेहतरीन होगी तो निश्चय ही भविष्य में जब आप उसे बेचने निकलेंगे तो उस समय आपको किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

लक्जरी हाउसिंग में निवेश के प्रति बढ़ा रुझान

प्रदीप मिश्रा

एक्सपर्ट रियल एस्टेट

रियल्टी सेक्टर में बीते कुछ महीनों के दौरान मांग और आपूर्ति के समीकरणों को देखें तो स्पष्ट होता है कि लग्जरी हाउसिंग के प्रति निवेशकों का ही नहीं वरन एंड यूजर्स का रुझान काफी ज्यादा बढ़ा है। ऐसे अपार्टमेंट और प्रोजेक्ट्स में रहने वालों को उच्च स्तरीय जीवनशैली का तो अनुभव मिलता ही है। साथ ही इस तरह की परियोजनाओं की संख्या में अधिकता न होने के कारण रियल्टी बाजार में इनकी मांग भी कहीं अधिक रहती है। वैसे बीते साल के आंकड़ों पर ही गौर करें तो लक्जरी हाउसिंग सेग्मेंट के मकान जिनकी कीमत साढ़े छह करोड़ रुपये से आठ करोड़ रुपये के बीच थी उनमें 75 फीसद का उछाल देखने को मिला था। दिलचस्प बात यह भी है कि लक्जरी सेग्मेंट के मकान अब सिर्फ दिल्ली-एनसीआर और मुंबई जैसे महानगरों तक ही सीमित नहीं बल्कि अन्य शहरों में भी इनकी खास जगह बन रही है। बहरहाल ऐसे मकानों की मांग में वृद्धि की क्या वजहें हैं और ऐसे विकल्प चुनते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए जानते हैं।

कोरोना के बाद अर्थव्यवस्था ने जो तेजी पकड़ी है उसका असर कई उद्योग क्षेत्रों पर दिखाई देने लगा है। देश का रियल एस्टेट उद्योग भी अब खूब परवान चढ़ रहा है और घरों की मांग भी तेज हुई है। इनमें खास बात यह है कि अब लक्जरी घरों की मांग में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है। अगर आप निवेश की दृष्टि से लक्जरी घर खरीदने की तैयारी कर रहे हैं तो आपको कुछ खास बातों का ध्यान रखना होगा नहीं तो आपके इस महंगे घर की री सेल वैल्यू ज्यादा नहीं मिलेगी

बेहतर हुई है आर्थिक स्थिति

कोरोना महामारी के बाद जब रियल्टी सेक्टर खुला और लोगों ने एक बार फिर मकानों की तलाश शुरू की तो उसके बाद से ही निवेशकों और एंड यूजर्स ने बड़े आकार के मकानों में रुचि दिखाई। इसके अलावा वैश्विक परिदृश्य की बात करें तो भारतीय अर्थव्यवस्था आज दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है जिससे भारत के लोगों की आर्थिक स्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है। ऐसे में लोग अपनी उच्च वित्तीय स्थिति के मद्देनजर अपने आवास को बेहतर बनाने पर जोर दे रहे है। लक्जरी अपार्टमेंट इन्हीं प्राथमिकताओं में से एक है।

शहरीकरण और जीवनशैली

बीते कुछ वर्षों के दौरान हुए इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास पर नजर डालें तो सड़कों, पुल, फ्लाईओवर, रेलवे नेटवर्क में जबरदस्त इजाफा हुआ है जिससे शहरीकरण को बढ़ावा मिला है। जैसे-जैसे देश के विभिन्न दूरस्थ हिस्सों की पहुंच यानी कनेक्टिविटी बेहतर हो रही है वहां का ग्रामीण परिवेश शहरीकरण के रूप में परिवर्तित होता दिख रहा है और उसके साथ ही संबंधित आवश्यकताएं भी बदल रही है। आधुनिक जीवनशैली और सुविधाओं की मांग में होती वृद्धि की वजह से एक बड़ा वर्ग आरामदायक और आनंदमय जीवन की तलाश में है, जिसमें लक्जरी अपार्टमेंट एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे है।

निवेश का एक आकर्षक विकल्प

दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों पर नजर डालें तो वहां अल्ट्रा लक्जरी तो नहीं लेकिन सेमी लक्जरी हाउसिंग के विकल्प दिखाई देने लगे है और निवेशक भी इन्हें इसलिए हाथों-हाथ ले रहे क्योंकि अन्य परियोजनाओं की तुलना में ऐसी परियोजनाओं की सुविधा कहीं बेहतर होती है। पार्किंग के लिहाज से अधिक वाहन खड़ा कर पाने का विकल्प, मॉडर्न सुविधाओं वाला क्लब, वर्क फ्रॉम होम की सुविधा में इजाफा करने के लिए परियोजना में ही मीटिंग्स करने के लिए स्पेस, खेल-कूद के लिए बड़ी जगह, स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता रखने वालों के लिए आधुनिक साजो-सामान से सुसज्जित जिम वगैरह इन्हें कहीं अधिक खास बनाते है। ऐसी परियोजनाओं में निवेश करते हुए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, वह भी समझ लेते हैं।

लोकेशन का रखें ध्यान

लक्जरी प्रोजेक्ट किस लोकेशन पर बन रहा है, मसलन वहां की पहुंच कैसी है और जिस इलाके में उसका निर्माण हो रहा है उसके आसपास किस तरह की कॉलोनियां विकसित है इस पर भी ध्यान दें। ऐसी परियोजनाएं अक्सर गोल्फ कोर्स, चौड़ी सड़कों, बड़े पार्क आदि के ईर्द-गिर्द विकसित की जाती है जिससे कि वहां रहने वालों को हरियाली की कमी महसूस न हो। इसी तरह जब आप उस प्रोजेक्ट में घर खरीदें तो जरूर परख करें कि आपको आपकी बालकनी से किस तरह का व्यू मिलेगा। आपको आपके घर की खिड़कियों से किस तरह के दृश्य दिखाई पड़ते है या पड़ेंगे इसकी भी महत्ती भूमिका रहती है।

सुरक्षा और मेंटेनेंस

लक्जरी अपार्टमेंट्स में कई चरणों की सुरक्षा व्यवस्था की जाती है परियोजना के मुख्य प्रवेश द्वार पर तो सीसीटीवी के साथ ही सुरक्षाकर्मी तैनात रहते ही है साथ ही टावर के प्रवेश पर भी सुरक्षाकर्मियों की तैनाती रहती है। वहीं जहां तक मेंटेनेंस का प्रश्न है तो इस लिहाज से भी विभिन्न बिल्डर प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए उसकी देखरेख के लिए प्रोफेशनल कंपनियों को हायर करते है जिसके बाद उन कंपनियों के कर्मचारी ही वहां की सुरक्षा व्यवस्था से लेकर क्लब, रेस्तरां, स्वीमिंग पूल, कॉमन एरिया वगैरह की देखरेख करते है। आप इस बारे में उस प्रोजेक्ट में प्रॉपर्टी की बुकिंग कराते समय जानकारियां जुटा सकते है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्माला सीतारमण ने अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा था कि 25 हजार रुपये तक के कर मांग नोटिस को सरकार वापस लेने जा रही है। सरकार के इस कदम से देश के करीब एक करोड़ ऐसे करदाताओं को फायदा होने की उम्मीद है जो पिछले कई वर्षों से आयकर विभाग से बकाया कर मांग के नोटिसों में उलझे हुए हैं। अंतरिम बजट में पेश की गई इस योजना को अब अमल में लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही आप के बकाया टैक्स के मामलों को निपटा दिये जाने का एसएमएस आपके पैन के साथ लिंक्ड मोबाइल नंबर पर आ जाएगा

आप भी ले सकते हैं कर मांग पर छूट का फायदा

अंतरिम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 25000 रुपये तक की कर मांग के मामलों को बंद करने का ऐलान किया था। वित्त मंत्री के इस ऐलान के बाद ऐसे करदाताओं की चिंताएं अब खत्म हो गई हैं जिन्हें आयकर विभाग ने बकाया टैक्स की मांग को लेकर नोटिस जारी कर रखा है। ऐसा नहीं है कि इस कर छूट का लाभ सीमित लोगों को ही मिलेगा बल्कि कर मांग को लेकर दी गई इस छूट का फायदा प्रत्येक ऐसा करदाता उठा पाएगा जिसे टैक्स को लेकर आयकर विभाग द्वारा लगातार नोटिस भेजे जा रहे थे। आयकर विभाग के इस कदम से कई वर्षों से लंबित बकाया कर के मामलों को अब आसानी के साथ निपटारा हो जाएगा।

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

कौन से टैक्स पर लागू होगी योजना

इस योजना के तहत आयकर, संपत्ति कर और उपहार कर के मामले निपटाए जा रहे हैं। अगर उक्त प्रकार के टैक्स मामलों को लेकर आपका विवाद आयकर विभाग से है तो आपको चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि कर माफी की प्रक्रिया अब शुरू की जा चुकी है और जल्द ही इस तरह के करीब एक करोड़ मामलों का निपटारा किए जाने की उम्मीद है।

क्या सिर्फ मूल रकम माफ होगी

कर माफी की इस योजना में मूल रकम के अलावा ब्याज की रकम, उस पर लगने वाले उप कर और अधिभार की रकम भी माफ कर दी जाएगी। साथ ही योजना के तहत जुर्माने की राशि को भी इसमें समाहित किया जाएगा। यह सारी राशि मिलाकर एक लाख रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर यह रकम एक लाख रुपये से ज्यादा बन रही है तो एक लाख रुपये तो माफ कर दिये जाएंगे लेकिन शेष रकम पर विवाद बना रहेगा और विवाद निपटारे की जो प्रक्रिया चल रही होगी वह शेष रकम की अदायगी तक चलती रहेगी।

कर माफी की क्या है योजना

इस योजना के तहत सरकार वर्ष 2009-10 या उससे पहले के 25000 रुपये तक के कर बकाया के सभी मामलों अब बंद कर देगी जिससे कर बकाया को लेकर आयकर विभाग की कार्रवाई का सामना करने वाले लाखों करदाताओं को इसका लाभ मिलेगा। इसके अलावा वर्ष 2010-11 से वर्ष 2014-15 तक के 10 हजार रुपये तक के विवादित कर मामले भी अब बंद कर दिये जाएंगे।

विवादित मामले खत्म करने के नियम

विवादित मामले खत्म करने के लिए सरकार ने कुछ नियम बनाए हैं। नियमों के तहत अगर किसी व्यक्ति पर वर्ष 2010-11 से 2014-15 के बीच प्रत्येक असिस्मेंट ईयर में कर अदायगी को लेकर कोई विवाद है तो इन विवादों का निपटारा कर दिया जाएगा और वह भी एकदम मुफ्त में इसके लिए न तो कोई जुर्माना लगेगा और ना ही ऐसे मामले निपटाने की प्रक्रिया पर खर्च होने वाली रकम ही वसूली जाएगी। सारी की सारी प्रक्रिया आयकर विभाग द्वारा स्वतः पूरी कर ली जाएगी और करदाता को इसके लिए कोई जहमत नहीं उठानी पड़ेगी।

बकाया कर माफी की अधिकतम सीमा

वित्त मंत्रालय ने बकाया कर माफी की अधिकतम सीमा भी तय कर दी है। तय अवधि में मामले चाहे जितने भी हों लेकिन अधिकतम एक लाख रुपये तक का बकाया ही माफ किया जाएगा। उदाहरण के तौर पर अगर किसी व्यक्ति पर चारों फाइनेंशियल की कुल बकाया राशि 80 हजार रुपये है तो यह सारी रकम माफ हो जाएगी लेकिन अगर किसी व्यक्ति पर छूट के लिए तय असिस्मेंट ईयर में 1.40 लाख रुपये तक का बकाया निकल रहा है तो इस रकम में से एक लाख रुपये तक की रकम तो माफ कर दी जाएगी लेकिन शेष 40 हजार रुपये पर कर विवाद का मामला चलता रहेगा।

क्या आवेदन करना जरूरी

बकाया कर मांग को लेकर पेश की गई योजना का लाभ लेने के लिए ऐसे करदाताओं को चिंता करने की जरूरत नहीं है जो बकाया कर विवाद को लेकर पिछले कई वर्षों से विवाद में फंसे हुए हैं। इस योजना का फायदा लेने के लिए आपको कोई आवेदन नहीं करना होगा। आयकर विभाग स्वतः ऐसे मामलों को ढूंढ कर निकाल लेगा जिन्हें लेकर निर्धारित अवधि में टैक्स बकाया के नोटिस जारी किए जा चुके हैं। सरकार की तरफ से चुनावी वर्ष में पेश की गई इस योजना से लगभग एक करोड़ करदाताओं को इसका लाभ मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। इस योजनाओं से छोटे करदाताओं को खासी मदद मिलने की उम्मीद है।

पेंशन का अच्छा विकल्प है एपीवाई

केंद्र सरकार ने असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए एक ऐसी पेंशन योजना चला रखी है जो निवेश करने वालों को पांच हजार रुपये तक की मासिक पेंशन की गारंटी देती है। यह योजना को नेशनल पेंशन सिस्टम के तहत पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथारिटी द्वारा संचालित की जा रही है। आप इस योजना में मामूली रकम निवेश करके 1000 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक की पेंशन प्राप्त कर सकते हैं

केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों के लिए एक बेहतरीन पेंशन योजना साबित हो रही है और बड़ी संख्या में लोग इस योजना में निवेश कर रहे हैं। चूंकि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को न तो प्रोविडेंट फंड का सहारा है और न ही पेंशन का। इसी को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने ऐसे लोगों के लिए इस योजना को पेश किया था। शुरुआत में इस योजना के प्रति लोगों ने दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन जैसे-जैसे समय बीता वैसे-वैस इस योजन में निवेश करने वालों की संख्या बढ़ती गई। आइए इस योजना की खास बातों को विस्तार से जानने की कोशिश करते हैं।

किसके लिए है योजना

इस योजना के तहत घर का काम करने वाली महिलाएं, माली, चौकीदार, डिलीवरी ब्वाय और रेहड़ी पटरी पर सामन बेचकर अपना पेट पालने वाले लोगों को फायदा होगा। चूंकि इन लोगों को पेंशन इत्यादि नहीं मिलती इसलिये बुढ़ापे में इन्हें काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। अतः यह योजना इन लोगों के लिए बुढ़ापे में आय का बेहतरीन जरिया साबित होगी। योजना 18 से 40 वर्ष के बीच के सभी ऐसे भारतीय नागरिकों के लिए है जो असंगठित क्षेत्र में काम करके अपनी आजीविका चलते हैं। इस योजना के तहत अधिकतम 20 साल तक योगदान करना होता है और 60 वर्ष की आयु होने पर 1000 रुपये से लेकर 5000 रुपये तक की पेंशन प्राप्त की जा सकती है।

योगदान के लिए बैंक को अधिकार पत्र

योजना को खरीदते वक्त आप बैंक को एक अधिकार पत्र देंगे जिसमें यह लिखा होगा कि उक्त योजना के तहत आप प्रति माह अमुक राशि निवेश करेंगे और यह राशि मासिक, तिमाही, छमाही या सालाना आधार पर सीधे आपके बैंक खाते से काट ली जाएगी। याद रहे जिस तारीख को आप पहला योगदान दे रहे हैं हर योगदान उसी तारीख को किया जाएगा। एक बात ध्यान देने योग्य यह भी है कि अपने बैंक खाते में पर्याप्त फंड रखना होगा ताकि हर माह आपके खाते से रकम काटी जा सके।

योजना के दौरान बदलाव संभव

अगर कोई व्यक्ति शुरुआत में 3000 मासिक पेंशन वाली योजना को खरीदता है और बाद में उसे लगता है कि उसे 5000 रुपये मासिक पेंशन वाली योजना लेनी चाहिए तो वह योजना के दौरान ही निवेश की राशि बढ़ा सकता है और ज्यादा मासिक पेंशन वाली योजना में स्विच कर सकता है। इसके लिए कुछ कागजी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी और बैंक को खाते से ज्यादा धनराशि डेबिट किए जाने का अधिकार पत्र देना होगा। यह प्रक्रिया साल में सिर्फ एक बार ही की जा सकती है। इसके लिए अप्रैल का महीना निर्धारित किया गया है। अगर कोई व्यक्ति पेंशन की राशि कम करना चाहता है तो उसके लिए भी यही प्रक्रिया अपनानी होगी और उसके द्वारा पूर्व में जमा की गई अतिरिक्त रकम को उसके योजना के साथ लिंक्ड बैंक खाते में ट्रांसफर कर दिया जाएगा।

योजना में बदलाव पर शुल्क

अगर योजना में बदलाव किया जाता है तो उस पर निवेशक को कुछ शुल्क भी देना होता है। योजना में बदलाव के लिए कुल 25 रुपये शुल्क के रूप में वसूले जाते हैं। इसके अलावा खाते में पर्याप्त बैलेंस न होने पर भी सौ रुपये के निवेश पर एक रुपये की पेनाल्टी लगाई जाती है। इसके अलावा प्रति माह योगदान 101 रुपये से 500 रुपये के बीच है,तो जुर्माना शुल्क 2 रुपये होगा। 501 से 1000 रुपये के योगदान पर शुल्क पांच रुपये रहेगा जबकि 1,001 रुपये से अधिक के योगदान पर यह जुर्माना राशि 10 रुपये होगी।

योजना में योगदान न कर सके तो क्या होगा

कई ऐसे लोग भी होते हैं जो शुरुआत में इस योजना में निवेश करते हैं लेकिन कुछ समय बाद आर्थिक कारणों से वे योगदान नहीं कर पाते हैं तो ऐसी स्थिति में अगर लगातार छह माह तक भुगतान नहीं किया गया तो निवेशक का पेंशन खाता ब्लाक कर दिया जाता है। इसके अलावा अगर एक साल तक योजना में कोई भी निवेश नहीं किया गया तो यह खाता एक्टिव खातों की श्रेणी से हटा दिया जाता है और दो साल तक भुगतान न किये जाने पर यह खाता पूरी तरह बंद कर दिया जाता है। और उसमें रखी राशि को बैंक उस महीने के अंतिम दिन तक किसी भी समय देय राशि आपके बैंक अकाउंट से काट सकता है। अटल पेंशन योजना-लिंक्ड बैंक अकाउंट में और महीने के दौरान किसी भी समय धनराशि की वसूली की जा सकती है।

कितना करना होगा निवेश

अगर कोई व्यक्ति रिटायरमेंट के बाद 5000 रुपये पेंशन प्राप्त करना चाहता है और 40 साल की उम्र में यह स्कीम लेता है तो उसे छमाही आधार पर अगले 20 वर्ष तक 8581 रुपये जमा करने होंगे। जबकि मासिक आधार पर उसे हर माह 1454 रुपये जमा करने होंगे। इसी तरह अगर कोई व्यक्ति 39 साल की उम्र में यह स्कीम लेता है तो उसे 21 साल तक 7778 रुपये छमाही या 1318 रुपये मासिक रूप से जमा करने होंगे। 38 साल की उम्र में पेंशन स्कीम लेने पर 22 साल तक मासिक रूप में 1196 रुपये और छमाही रूप में 7058 रुपये जमा करने होंगे। इसी तरह जितनी कम उम्र में यह स्कीम खरीदी जाएगी उस लिहाज से इसका छमाही योगदान कम होगा जबकि योगदान की अवधि बढ़ती जाएगी।

(बिजनेस डेस्क)

कैसे शुरू करें निवेश

यह योजना किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक से खरीदी जा सकती है। इसके लिए बैंक में खाता होना जरूरी है। योजना में निवेश शुरू करने पर बैंक खाते से हर महीने निवेश की रकम डेबिट हो जाती है। योजना में किये जाने वाले योगदान पर आयकर कानून के तहत छूट भी मिलती है। यानी साल भर में आप जितनी रकम भी निवेश करेंगे उसे आयकर के दायरे से बाहर रखा जाएगा। योजना में निवेश के लिए आप बैंक जाकर इसका फार्म भरें और अपना पंजीकरण करा लें। योजना के लिए आवेदन फार्म विभिन्न बैंकों की वेबसाइटों व पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट से भी डाउनलोड किया जा सकता है। इस फार्म में तीन हिस्से होते हैं। पहले हिस्से में अपने बैंक से जुड़ी जानकारी देनी होती है। दूसरे हिस्से में आवेदक के बारे में पूरी जानकारी व केवाईसी देना होता है और तीसरे हिस्से में निवेश और कितनी पेंशन चाहते हैं उसकी जानकारी देनी होती है।

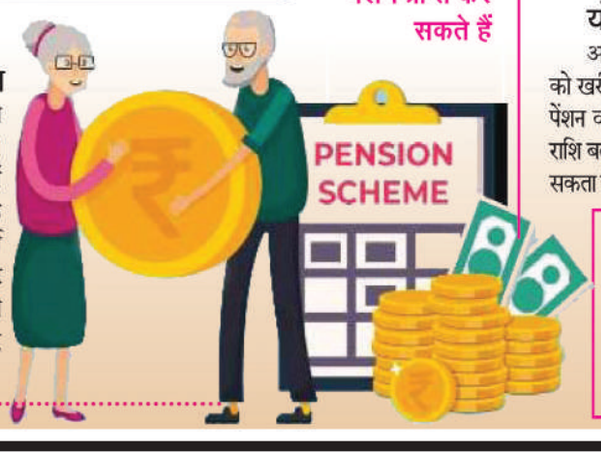

कागजी औपचारिकताएं

इस योजना में निवेश करते वक्त निवेशक के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड, राशन कार्ड, वोटर आईडी इत्यादि में से कोई दो चीजें होनी चाहिए। इनमें से एक चीज आपकी आइडेंटिटी को साबित करने वाली होगी और दूसरा दस्तावेज आपके निवास को प्रमाणित करेगा। इसके अलावा कुछ फोटोग्राफ भी आप अपने साथ जरूर रखें।

रांची टेस्ट : भारत फिलहाल 134 रन पीछे, जायसवाल की फिफ्टी

बशीर-हार्टले की फिरकी में फंसे भारतीय बल्लेबाज, इंग्लैंड ने की मैच में वापसी

● रांची

रांची टेस्ट का दूसरा दिन इंग्लैंड के नाम रहा। इंग्लिश टीम के खिलाफ चौथे मुकाबले की पहली पारी में भारत 134 रन से पीछे है और उसके सात विकेट भी गिर चुके हैं। टीम इंडिया ने शनिवार को स्टंप्स तक पहली पारी में 7 विकेट पर 219 रन बना लिए हैं। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक ध्रुव जुरेल 30 और कुलदीप यादव 17 रन पर नाबाद लौटे। दोनों खिलाड़ियों के बीच 42 रन की नाबाद साझेदारी हो चुकी है।

भारत की तरफ से यशस्वी जायसवाल (73) ने अर्धशतक लगाया। इंग्लैंड की तरफ से शोएब बशीर ने 4 विकेट लिए। टॉम हार्टले को 2 सफलताएं मिलीं। एक विकेट तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को भी मिला। इससे पहले, इंग्लिश टीम पहली पारी में 353 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड की तरफ से जो रूट शतक (122*) बनाकर नॉटआउट रहे। भारत की तरफ से सबसे ज्यादा 4 विकेट रवींद्र जडेजा ने लिए। टीम इंडिया फिलहाल पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से आगे है।

यशस्वी ने फिर जड़ा अर्धशतक

भारत के लिए यशस्वी जायसवाल ने अर्धशतक लगाया। वे 117 बॉल पर 73 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने पारी में 8 चौके और एक सिक्स लगाया। यशस्वी ने शुभमन गिल के साथ 82 रन की पार्टनरशिप की। यह पार्टनरशिप गिल के विकेट के साथ टूटी। गिल 38 रन बनाकर शोएब बशीर की बॉल पर आउट हुए।

इंग्लैंड टीम पहली इनिंग में 353 रन पर ऑलआउट

इंग्लैंड टीम चौथे मैच के दूसरे दिन के पहले सेशन में 353 रन पर ऑलआउट हो गई। इंग्लैंड की तरफ से जो रूट शतक (122) लगाकर नाबाद रहे। यह उनके टेस्ट करियर का 31वां शतक है। रूट और ओली रोबिनसन के बीच 102 रन की साझेदारी हुई। वहीं भारत की तरफ से पहली पारी में ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा टॉप विकेटटेकर रहे। उन्होंने 4 विकेट लिए। उनके अलावा डेब्यू मैच खेल रहे आकाश दीप को तीन सफलताएं मिलीं। मोहम्मद सिराज को 2 सफलताएं मिलीं। एक विकेट रविचंद्रन अश्विन को भी मिला। इंग्लैंड ने पहले दिन का खेल खत्म होने तक 7 विकेट पर 302 रन बनाए थे।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड पहली पारी (302/7 से आगे)	रन	गेंद	4	6
जो रूट नाबाद	122	274	10	0
रॉबिंसन कै.जुरेल बो.जडेजा	58	96	9	1
बशीर कै.पाटीदार बो.जडेजा	0	2	0	0
जेम्स एंडरसन पगबाधा बो.जडेजा	0	4	0	0

अतिरिक्त: 19, **कुल:** 104.5 ओवर में 353 रन पर ऑलआउट, **विकेट पतन:** 1-47, 2-47, 3-57, 4-109, 5-112, 6-225, 7-245, 8-347, 9-349, 10-353, **गेंदबाजी:** मोहम्मद सिराज 18-3-78-2, आकाश दीप 19-0-83-3, रवींद्र जडेजा 32.5-7-67-4, रवि अश्विन 22-1-83-1, कुलदीप यादव 12-4-22-0, यशस्वी जायसवाल 1-0-6-0.

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल बो.बशीर	73	117	8	1
रोहित शर्मा कै.फ़ोक्स बो.एंडरसन	2	9	0	0
गिल पगबाधा बो.बशीर	38	65	6	0
रजत पाटीदार पगबाधा बो.बशीर	17	42	4	0
रवींद्र जडेजा कै.पोप बो.बशीर	12	12	0	2
सरफ़राज़ कै.रूट बो.हार्टली	14	53	1	0
ध्रुव जुरेल नाबाद	30	58	2	1
रवि अश्विन पगबाधा बो.हार्टली	1	13	0	0
कुलदीप यादव नाबाद	17	72	1	0

अतिरिक्त: 15, **कुल:** 73 ओवर में 219/7, **विकेट पतन:** 1-4, 2-86, 3-11, 4-130, 5-161, 6-171, 7-177, **गेंदबाजी:** जेम्स एंडरसन 12-4-36-1, ऑली रॉबिंसन 9-0-39-0, शोएब बशीर 32-4-84-4, टॉम हार्टली 19-5-47-2, जो रूट 1-0-1-0.

रांची में दिखे उत्साह के कई रंग...

रांची। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट मैच को लेकर जेएससीए स्टेडियम रांची में उत्साह के कई रंग स्टेडियम के अंदर और बाहर देखने में नजर आ रहे हैं। इन्हीं में एक खूबसूरत रंग है एंडी ब्राउन का। इंग्लैंड के रहने वाले पेशे से पेंटर एंडी दुनियाभर में अलग-अलग देशों में क्रिकेट टीमों के साथ घूमते हैं। इस दौरान लोगों से मिलना, स्टेडियम की खूबसूरत पेंटिंग उतारना और जिस शहर में मैच हो रहा हो... वहां के क्रिकेट फैंस से मिलकर उनकी तस्वीरों को रंग देना एंडी ब्राउन का पैशन है। सबसे बड़ी बात यह है कि एंडी अपनी पेंटिंग के जरिये हर एक टेस्ट मैच को एक कहानी के रूप में रंग भरकर अपने कैनवास पर उतारते हैं। बस इतना है कि आप उनके एक पेंटिंग को देखकर समझ जाएंगे कि उस टेस्ट मैच का परिणाम क्या रहा। किस बल्लेबाज ने कितने रन बनाए। सबसे ज्यादा विकेट लेने वाला गेंदबाज कौन रहा... समेत तमाम जानकारियां। बस उनकी पेंटिंग ही तमाम जानकारियां अपने रंगों के जरिए आपको सबकुछ कह डालेंगी। एंडी फिलहाल रांची के जेएससीए में चल रहे टेस्ट मैच में अपनी पेंटिंग का रंग भरने में जुटे हैं। वह स्टेडियम की खूबसूरत पेंटिंग बनाने में तो जुटे ही हैं साथ ही टेस्ट मैच जैसे-जैसे आगे बढ़ता जा रहा है एंडी की पेंटिंग में टीम के प्रदर्शन के हिसाब से रंग भी भरते जा रहे हैं। उनकी पेंटिंग टेस्ट मैच के परिणाम के साथ ही पूरी होगी। एंडी ने बताया कि रांची का अनुभव शानदार है। रांची शहर में घूमने के दौरान जो कुछ उन्होंने देखा... उसकी भी एक पेंटिंग उन्होंने उकेरी है। उन्होंने बताया कि बीसीसीआई के अनुमति के बाद वह भारत और इंग्लैंड के दौरे पर जहां-जहां की टीमें जा रही है वह भी अपने कैनवास ब्रश के साथ चलते नजर आ रहे हैं। एंडी का अगला पड़ाव रांची के बाद धर्मशाला होगा। मिलनसार स्वभाव के एंडी पेंटिंग के दौरान किसी से बात करना पसंद नहीं करते। बस एक तरफ स्कोर बोर्ड पर रन दिखते हैं तो दूसरी तरफ एंडी के कैनवास पर रंग।

आशा के पंजे में फंसा यूपी ऋचा और मेघना भी चमकीं

वूमेंस प्रीमियर लीग : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने यूपी वॉरियर्स को रोमांचक मुकाबले में दो रन हरा दिया

● बेंगलुरु

ऋचा घोष 62 रन और एस मेघना 53 रनों की अर्धशतकीय पारी और उसके बाद सोभना आशा की पांच विकेटों की शानदार गेंदबाजी की बदौलत से वूमेंस प्रीमियर लीग के दूसरे मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला ने यूपी वॉरियर्स महिला को एक रोमांचक मुकाबले में दो रनों से हरा दिया है। 158 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूपी वॉरियर्स की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ओवर में अलिसा हीली का विकेट गंवा दिया।

नौवें ओवर में आशा ने रिचा के हाथों दिनेश वृंदा 18 रन को स्टंप आउट कराकर यूपी वॉरियर्स को दूसरा झटका दिया। तालिया मैक्ग्रा 22 रन, पूनम खेमनार 14 रन, किरण नवगिरे एक रन बनाकर आउट हुई। ग्रेस हैरिस 23 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से 38 रन बनाए, श्वेता सहरावत 25 गेंदों में 31 रनों की शानदार पारी खेली। दीप्ति शर्मा 13 रन और सोफी एकल्सटन एक रन बनाकर नाबाद रही। यूपी वॉरियर्स की टीम निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 155 रन ही बना सकी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से सोभना आशा ने पांच विकेट लिए। सोफ ी मोलिन्यू और जॉर्जिया वेयरहम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले ऋचा घोष 62 रन और एस मेघना 53 रनों की अर्धशतकीय पारी की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला ने यूपी वॉरियर्स महिला को जीत के लिए 158 रनों का लक्ष्य दिया है। यूपी वॉरियर्स महिला टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु महिला टीम की शुरुआत बेहद खराब रही।

मध्य प्रदेश ने आंध्र प्रदेश पर बनाया दबाव

● इंदौर

होलकर स्टेडियम पर खेले जा रहे रणजी क्वार्टरफाइनल मुकाबले में मध्यप्रदेश की पहली पारी के 234 रनों के जवाब में आंध्र की पहली पारी 172 रन पर सिमट गई। जिससे मेजबान टीम को 62 रनों बढ़त हासिल हुई। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक मप्र ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 21 रन बना लिए थे।

पहली पारी में 62 रनों की बढ़त

मप्र की कुल बढ़त अब 83 रन की हो गई है। दूसरे दिन सुबह मध्यप्रदेश की पहली पारी पहले दिन के ही स्कोर 234 रन पर सिमट गई। सारांश जैन 41 रन बनाकर नाबाद रहे। जवाब में आंध्र की पहली पारी की शुरुआत आवेश खान ने बिगाड़ दी जिससे 7 रन पर ही दो विकेट खो दिए थे। इसके बाद रेवंथ रेड्डी (22), हनुमा विहारी (14) ने पारी को संभालने की कोशिश की, लेकिन वे भी जल्द पैवेलियन लौट गए । पूरी टीम 68.3 ओवर में 172 रन पर सिमट गई।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के रेसलर हरिओम ने जीता सिल्वर मेडल

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स : विवि की पुरुष हॉकी टीम भी पहुंची फाइनल में

● भोपाल

आसाम में चल रहे चौथे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023-24 में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय की पुरुष हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को शूटआउट में 3-2 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सेमीफाइनल मुकाबला आरएनटीयू विरुद्ध चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के मध्य खेला गया। आरएनटीयू के आमिद खान पठान और सुंदरम सिंह राजावत ने एक-एक फील्ड गोल दागे। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी ने भी दो गोल किए। अंत में फैसला शूटआउट पर पहुंचा।

आरएनटीयू के सुंदरम सिंह राजावत, आमिद खान पठान ने शूटआउट और अंकित पाल ने पेनल्टी स्ट्रोक कर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को 3-2 से पराजित किया। टीम के कोच लोकेंद्र शर्मा और मैनेजर डॉ. हबीब हसन की अगुवाई में आरएनटीयू की टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है। विश्वविद्यालय की पुरुष वर्ग में अली अहमद बीए, अरहम अंसारी बीए, सद्दाम अहमद बीए, श्रेयस बी धुपे बीकॉम, अंकित पाल बीपीईएस, सुंदरम राजावत

बीपीईएस, वैभव खुसलानी बीपीईएस, अभय परिहार बीपीएड, स्वप्निल कावड़कर पीजीडीसीए, शैलेंद्र सिंह बीकॉम, आमिद खान पीजीडीसीए, हिमांशु सनिक बीए, दीपक यादव बीकॉम, आदेश ठाकुर बीपीईएस, सत्यम बर्डे बीए, अवनीश सेन पीजीडीसीए, आकाश दुबे एमपीईएस, अभिजीत महोर बीपीईएस शामिल हैं। वहीं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के रेसलर हरि ओम पुरी (बीपीईएस प्रथम वर्ष) ने 63 किलोग्राम भार वर्ग में ग्रीको रोमन स्टाइल में सिल्वर मेडल जीतकर विश्वविद्यालय सहित प्रदेश का नाम रोशन किया।

रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल

मुशीर ने बड़ौदा के खिलाफ जड़ा ऐतिहासिक दोहरा शतक

मुम्बई । रणजी ट्रॉफी के क्वार्टर फाइनल में मुकाबले में बड़ौदा के खिलाफ मुम्बई के बल्लेबाज मुशीर खान ने ऐतिहासिक नाबाद दोहरा शतक जड़ा। यह उनके करियर का पहला दोहरा शतक और प्रथम श्रेणी क्रिकेट उनका सर्वोच्च स्कोर है। कम उम्र में रणजी ट्रॉफी में इस दोहरा शतक को जड़ने के साथ ही मुशीर मुंबई के दूसरे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। मुशीर ने 18 साल 362 दिन में दोहरा शतक जड़ा है। इस मामले में पहले स्थान पर वसीम जाफर के नाम है। जाफर ने 18 साल 262 दिन में मुंबई के लिए दोहरा शतक लगाया था। मुशीर ने बड़ौदा के खिलाफ ऐसे समय धैर्यपूर्ण पारी खेलते हुए दोहरा शतक बनाया, जब 100 रन के स्कोर पर पृथ्वी शॉ, अजिंक्य रहाणे समेत टीम के चार विकेट गिर चुके थे और टीम मुश्किल में दिख रही थी। ऐसे हालात में मुशीर ने 356 गेंदों में 18 चौकों की मदद से नाबाद 203 रन बनाए और टीम के स्कोर 384 रन तक पहुंचाया।

भारतीय पुरुष और मिश्रित कंपाउंड टीमों ने जीता स्वर्ण पदक

एशिया कप 2024 तीरंदाजी चरण -1

बगदाद । प्रथमेश जावकर, प्रियांश और कुशल दलाल वाली भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम ने शनिवार को एशिया कप 2024 तीरंदाजी चरण -1 विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय तिकड़ी ने स्वर्ण पदक मुकाबले में ईरान की अर्मिन पकजाद, अराश घासेमिपुर और राद्रेजवान बेहनिया की टीम को 232-229 से हराकर स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। भारत ने क्वार्टरफाइनल में बाई मिलने के बाद पहले सेमीफाइनल में इराक को हराया था। बांग्लादेश ने मेजबान टीम को हराकर इस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। जावकर और दलाल रविवार को पुरुष कंपाउंड व्यक्तिगत फाइनल में भी मुकाबला करेंगे। हालाँकि, अदिति स्वामी, प्रिया गुर्जर और परनीत कौर की महिला कंपाउंड टीम को फाइनल में ईरान से 223-229 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

जीत का जश्न मनाते समय युवा क्रिकेटर को आया हार्ट अटैक, मौत

बेंगलुरु । बेंगलुरु में आयोजित एजिस साउथ जोन टूर्नामेंट में एक चौंका देने वाली घटना सामने आई। तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच चल रहे मैच में जीत के बाद जब खिलाड़ी जश्न मना रहे थे, तभी कर्नाटक के 34 वर्षीय क्रिकेटर होयसला की हार्ट अटैक की वजह से मौत हो गई। यह घटना गुरुवार को बेंगलुरु के आरएसआई क्रिकेट ग्राउंड पर हुई। कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच मैच में जब होयसला की टीम (कर्नाटक) की जीत हुई तो खिलाड़ी आपस में जश्न मनाने लगे। इस बीच होयसला के सीने में तेज दर्द शुरू हुआ और वो मैदान में ही बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें तुरंत एम्बुलेंस द्वारा बेंगलुरु के बॉरिंग अस्पताल ले जाया गया, लेकिन दुख की बात है कि अस्पताल ले जाते समय दिल का दौरा पड़ने से उनकी मृत्यु हो गई। यह घटना 22 फरवरी को सामने आई। हालांकि इसकी जानकारी 23 फरवरी की शाम को मिली। होयसला एक मिडिल ऑर्डर बेट्समैन और तेज गेंदबाज था। उन्होंने अंडर-25 कैटेगरी में कर्नाटक टीम का प्रतिनिधित्व भी किया था।

वायरल न्यूज

एक महीने पहले किया वादा निभाया, मास्टर ब्लास्टर ने बैट पर लिखा- आमिर, द रियल हीरो...

बिना हाथ बैटिंग करने वाले आमिर से मिले सचिन तेंदुलकर

पैर से गेंदबाजी करते हैं आमिर और गर्दन व कंधे के बीच बैट फंसाकर करते हैं बल्लेबाजी

● कश्मीर

पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर अपने कश्मीर टूर के कारण चर्चा में हैं। वहां तेंदुलकर बिना हाथ बल्लेबाजी करने वाले दिव्यांग क्रिकेटर आमिर हुसैन से मिलने उसके घर पहुंचे।

तेंदुलकर ने आमिर के घर वालों से बातचीत की और उनकी सफलता की कहानी जानी। आमिर वही क्रिकेटर हैं, जो पैर से गेंदबाजी करते हैं और गर्दन और कंधे के बीच बैट फंसाकर बल्लेबाजी करते हैं। पिछले महीने आमिर का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसे देखकर सचिन ने उनसे मिलने की इच्छा जाहिर की थी और आमिर से मिलने का वादा किया था। अब तेंदुलकर ने वह वादा निभाया दिया है। सचिन ने आमिर के बैट पर ऑटोग्राफ दिया और लिखा- आमिर, यू आर रियल हीरो। ऐसे ही इंस्पायर करते रहो।

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर पिछले हफ्ते कश्मीर गए थे। जहां वे कश्मीरी विलो बैट की फैक्ट्री पहुंचे और बैट बनाने की प्रोसेस जानी। वहां सचिन ने गली क्रिकेट भी खेला। इस दौरान उनके वीडियो और फोटोज खूब पसंद किए गए।

क्यों चर्चा में आए आमिर हुसैन

बिजबेहरा (जम्मू-कश्मीर) के वाघामा गांव के 34 वर्षीय दिव्यांग क्रिकेटर आमिर हुसैन लोन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, इसमें वे बिना हाथों के भी अपने कंधे और गर्दन के सहारे बल्लेबाजी करते दिख रहे थे। इतना ही नहीं, आमिर पैरों से गेंदबाजी कर रहे थे। उन्होंने बचपन में अपने दोनों हाथ खो दिए थे, लेकिन अपना हौसला नहीं खोया। तेंदुलकर ने भी उस वीडियो को रिपोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था कि आमिर ने नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया है। मैं इसे देखकर बहुत प्रभावित हुआ हूं। इससे पता चलता है कि उनके मन में खेल के प्रति कितना प्यार और समर्पण है। उम्मीद है कि मैं एक दिन उनसे मिलूंगा और उनके नाम की जर्सी खरीदूंगा। खेल खेलने के शौकीन लाखों लोगों को प्रेरित करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।

संक्षिप्त खबरें

मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक पर उड़ाया ड्रोन, मामला दर्ज

ठाणे। नवी मुंबई पुलिस ने आदेशों का उल्लंघन करके मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक पर ड्रोन उड़ाने के आरोप में 25 वर्ष के एक व्यक्ति के खिलाफ एक मामला दर्ज किया है। यह जानकारी एक अधिकारी ने शनिवार को दी। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने 'डीजीआई मिनीप्रो 3 ड्रोन' जब्त किया है जिसे मुंबई निवासी अहमद मोहिउद्दीन सिद्दीकी द्वारा 22 फरवरी की शाम करीब साढ़े छह बजे अटल सेतु के नाम से जाने जाने वाले समुद्री पुल पर उड़ाया गया था। अधिकारी ने कहा कि नवी मुंबई पुलिस ने देश के सबसे लंबे समुद्री पुल पर ड्रोन के इस्तेमाल पर निषेधाज्ञा जारी की है और सिद्दीकी ने ड्रोन उड़ाकर उसका उल्लंघन किया।

तमिलनाडु : विजयधरानी भाजपा में हुईं शामिल

नई दिल्ली । तमिलनाडु में लगातार तीन बार से विधायक कांग्रेस की नेता एस. विजयधरानी शनिवार को भाजपा में शामिल हो गईं और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नेतृत्व देश के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।विजयधरानी के भाजपा में शामिल होने को पार्टी के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि वह राज्य में अपना जनाधार बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। विजयधरानी कन्याकुमारी लोकसभा क्षेत्र की विलावनकोड सीट से विधायक है। भाजपा कन्याकुमारी से अतीत में लोकसभा चुनाव जीत चुकी है। विजयधरानी ने भाजपा में शामिल होने से पहले कांग्रेस से अपना त्याग पत्र 'एक्स' पर पोस्ट किया। वह केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन और पार्टी के राष्ट्रीय सचिव व तमिलनाडु के चुनाव प्रभारी अरविद मेनन की उपस्थिति में राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी में शामिल हुई।

छत्तीसगढ़ : मुठभेड़ में एक नक्सली मारा गया

सुकमा। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार

गिराया है। पुलिस ने शनिवार को बताया, भेज्जी थाना क्षेत्र में नक्सली गतिविधि की सूचना पर डीआरजी के जवानों को गश्त पर रवाना किया गया था। सुरक्षाबल जब बुर्कलंका गांव के करीब पहुंचे तब नक्सलियों ने जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। दोनों ओर से कुछ देर तक गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से फरार हो गए। बाद में जब सुरक्षाबलों ने घटनास्थल की तलाशी ली तब एक नक्सली का शव बरामद किया गया।

मुखबिरी के संदेह में नक्सलियों ने की हत्या

चाईबासा। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में माओवादियों ने पुलिस का मुखबिर होने के संदेह में 35 वर्षीय एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना टोंटो थाना क्षेत्र के बंदाबेड़ा गांव में शुक्रवार देर रात घटी। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। जितेन लागुरी नामक व्यक्ति के शुक्रवार शाम को घर लौटने के बाद नक्सलियों का एक समूह उनके घर पर पहुंचा और गोली मारकर उनकी हत्या कर दी।

कांग्रेस ने सिर्फ सरकार बनाने पर दिया ध्यान : मोदी

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को विपक्षी दल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि कांग्रेस परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से आगे सोच ही नहीं पाती। आजादी के बाद उसने सिर्फ सरकार बनाने पर ध्यान दिया लेकिन देश को आगे बढ़ाना उसके एजेंडे में नहीं था।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ संकल्प यात्रा' कार्यक्रम दौरान कहा, कांग्रेस ने बार-बार सरकार बनाई लेकिन भविष्य का भारत बनाना भूल गई, क्योंकि उनके मन में केवल था कि सरकार बनानी है। देश को आगे बढ़ाना उनके एजेंडे में नहीं था। उन्होंने कहा, आज भी कांग्रेस की राजनीति की दशा और दिशा यही है। कांग्रेस परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण से आगे सोच ही नहीं पाती। जो सिर्फ अपने परिवारों के लिए काम करते है, वे आपके परिवार के बारे में कभी नहीं सोच सकते। जो सिर्फ अपने बेटे-बेटियों का भविष्य बनाने में जुटे है, आपके बेटे बेटियों की चिंता कभी नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री ने कहा, लेकिन मोदी के लिए तो आप सब ही मोदी का परिवार है, आपके सपने ही मोदी का संकल्प है।

मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा, आपको याद होगा कि कांग्रेस के एक पूर्व प्रधानमंत्री ने अपनी ही सरकार के लिए कहा था कि दिल्ली से यदि वह एक रुपया भेजते है, लेकिन गांव में 15 पैसे ही पहुंच पाता है और 85 पैसे रास्ते में गायब हो जाते है। अगर यही स्थिति रहती तो आप कल्पना कर सकते है कि क्या हालत होती। बीते 10 साल में भाजपा सरकार ने 34 लाख करोड़ से ज्यादा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के जरिए यानी दिल्ली से सीधा आपके मोबाइल तक पहुंचाया। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ के लोगों को विकास योजनाओं के लिए बधाई दी और कहा, विधानसभा चुनावों में आपने हम सभी को बहुत आशीर्वाद दिया है। आपके इसी आशीर्वाद का परिणाम है कि आज हम विकसित छत्तीसगढ़ के संकल्प के साथ आपके बीच में है। भाजपा ने बनाया है, भाजपा ही संवारेगी, ये बात आज इस आयोजन से और पुष्ट हो रही है।

- कहा, देश को आगे बढ़ाना उनके एजेंडे में नहीं था

मोदी ने मंत्रियों से स्पष्ट रूप से परिभाषित योजना तीन मार्च को पेश करने को कहा

नई दिल्ली (भाषा)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने कैबिनेट मंत्रियों से ऐसी योजना तैयार करने और उसे तीन मार्च को मंत्रिपरिषद की बैठक में पेश करने को कहा है, जिसका क्रियान्वयन व आकलन किया जा सके तथा वह स्पष्ट रूप से परिभाषित हो। उल्लेखनीय है कि मोदी ने 21 फरवरी को अपने मंत्रिमंडल के सहकर्मियों को अगले 100 दिनों के लिए एक कार्ययोजना तैयार करने को कहा था।

सरकारी सूत्रों ने शनिवार को बताया, प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से कार्ययोजना तैयार करने से पहले वरिष्ठ नौकरशाहों जैसे अनुभवी लोगों, जमीनी स्तर पर काम करने वालों और अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञों से व्यापक परामर्श करने को कहा है। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों और उनके मंत्रालयों से उस अवधि के एजेंडे पर मंथन करने को कहा है, जो अप्रैल-मई में संभावित लोकसभा चुनावों के बाद नई सरकार के कार्यभार संभालने से पहले की संभावित अवधि भी है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री यह सुनिश्चित करना चाहते है कि चुनाव प्रक्रिया के बीच सरकार का कामकाज जारी रहे और अगले 100 दिनों के लिए एजेंडा तैयार करने का उनका आह्वान इसी प्रयास का हिस्सा है। मोदी ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के सत्ता में बने रहने को लेकर भी बार-बार विश्वास जताया है। प्रधानमंत्री ने हाल में कहा था कि उन्होंने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए खाका तैयार करना शुरू कर दिया है और उन्हें 15 लाख से अधिक लोगों से सुझाव मिले हैं।

दबी जुबान से

फिर यह मौका कहां आएगा

लोकतंत्र का त्योहार यानी लोकसभा का चुनाव कुछ सप्ताह के बाद आने वाला है। इसकी तैयारी राजनीतिक दलों ने अपने नफा-नुकसान खुद देखते हुए करनी शुरू कर दी है। कई दल आपस में गठबंधन प्रयास में लगे हुए हैं। 'इंडिया' से लेकर सत्तारूढ़ भाजपा अपने-अपने तरीके से दलों को साथ लाने में और कद्दावर नेताओं को शामिल करने में जुटे हुए हैं। चुनावी दंगल में जाने से पहले की यह जबरदस्त तैयारी मानी जाती है ताकि चुनावी बिसात पर मात खाने की नौबत न आए। इस भगदड़ में कई दलों के कद्दावर नेताओं और दलों के जाने से मौजूदा दल को दुखी होना स्वाभाविक है। इस संबंध में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने तंज किया कि क्या भाजपा इतने दलों और नेताओं को उनकी मांग के मुताबिक मंत्री पद और राज्यसभा सदस्य दे पाएगी ? ऐसे में उनके दिल टूटेंगे और वे वापसी की राह देखेंगे। सपा अध्यक्ष की यह बात अपनी जगह है। यह तो समय बताएगा कि चुनाव के बाद क्या होगा ? कौन कहां होगा और कैसे होगा ? लेकिन अभी तो खुद को आजमाने का अवसर है। फिर यह मौका पांच साल तक कहां आएगा।

सुलझतीं गांठें

इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग का मसला अब सुलझना शुरू हो गया है। काफी उतार चढ़ाव के बाद गठबंधन की उलझी गांठें अब सुलझने लगी हैं। गठबधन पर सवाल उठाने वाले लोगों को करारा जवाब देते हुए कांग्रस ने अपने सहयोगियों को मना लिया है। भले ही इसमें समय लगा हो लेकिन अंत भला तो सब भला की कहावत को चरितार्थ करते हुए गठबंधन के नेताओं ने भाजपा के खिलाफ एक उम्मीदवार उतारने की अपनी योजना को अमली जामा पहनाना शुरू कर दिया है। सीट शेयरिंग में कई बार पेंच फंसे और जदयू के रालोद का साथ छोड़ने के बाद लगा कि गठबंधन बिखर जाएगा लेकिन इसके बाद गठबंधन के नेता एक्शन मोड में आए और सीट शेयरिंग पर डील राज्य दर राज्य फाइनल होनी शुरू हो गई।

दो लड़कों की जोड़ी

एक बार फिर से देश की राजनीति में दो लड़को की जोड़ी की चर्चा होना शुरू हो गई। यह चर्चा दो राज्यों उत्तर प्रदेश व बिहार में काफी चर्चा में है। उत्तर प्रदेश में जहां अखिलेश यादव व राहुल गांधी की जोड़ी भाजपा को रोकने के लिए कमर कसे हुए है तो वहीं बिहार में तेजस्वी यादव और राहुल की जोड़ी ने राज्य से परिवर्तन का बिगुल फूंक दिया है। गठबंधन के नेताओं को लग रहा है कि दोनो ही राज्यों में दो लड़कों की जोड़ी युवाओं को अपने साथ लाने में सफल होगी। अखिलेश व तेजस्वी दोनो ही युवाओं की बेरोजगारी को बढ़ा मुद्दा बनाए हुए है, तो वहीं राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो न्याया यात्रा में भी बेरोजगारी के मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं । अब देखना यह होगा कि दो लड़कों की ये जोड़ी राजनीति में क्या गुल खिलाती है।

इंडिया गठबंधन संकट में

इंडिया गठबंधन संकट में है। आखिर संकट का कारण भी है। एक- एक कर गठबंधन के दल गठबंधन से अलग हो रहे हैं, जो बचे हैं उनमें सीटों के बंटवारे को लेकर संकट बना हुआ है। अब कांग्रेस व आम आदमी पार्टी और कांग्रेस व सपा में सीटों के बंटवारे पर सहमति की खबरें आ रही है, अब सच में सीटों के बंटवारे पर सहमति हो गई है या नहीं, यह तो वही जानें या फिर सहमति का यह नाटक देश की आम जनता को गठबंधन की एकता का संदेश देने के लिए किया जा रहा है। सीटों का बंटवारा हो भी गया हो तो भी सीटों के बंटवारे को लेकर कार्यकर्ताओं में अभी से उठ रही विरोध की आवाजें नेताओं की धड़कनें बढ़ा रही है। कार्यकर्ताओं के विरोध के चलते सीटों का बंटवारा अब चुनाव तक चल पाएगा या नहीं, यह तो बंटवारा करने वाले दल ही जानें।

वैद्यों की 'नब्ज'

आयुष मंत्रालय में वर्षों से एक ही पदों पर डटे वैद (आयुर्वेदिक डाक्टर) को अब रीजनल आयुर्वेदिक केंद्रों में भेजे जा रहे हैं, जहां पर लंबे समय से पद रिक्त हैं। इस बदलाव से वैद्यों में हड़कंप मच गया है। वे लंबे समय तक अपनी सेवाओं का जिक्र करते हुए आला अधिकारियों के दफ्तरों का चक्कर लगा रहे हैं। इनकी पैरवी की फेहरिस्त लंबी होती जा रही है। आयुष मंत्रालय के स्पेशल ओएसडी अब तक मंत्री और इन डाक्टरों की मध्यस्थता करते रहे हैं, लेकिन उनका भी तबादला कर दिया गया है। वैद्यों को यह सूझ नहीं रहा है कि यह सब अचानक क्यों हो रहा है। दर्द आयुष मंत्री सर्वानंद सोनोवाल तक पहुंचा। तब पता चला कि लोकसभा चुनाव करीब हैं, भाई बदलाव भी जरूरी है। दूसरों के नब्ज टटोलन वाले पर अपनी ही नब्ज टटोल रहे हैं।

सहयोगी दल हावी

कांग्रेस में गठबंधन के लिए बनाई गई टीम पर सवाल उठ रहे कि उसने सहयोगी दलों से ज्यादा सीटें लेने की बजाय कांग्रेस से छोटे दलों को अधिक सीटें दिलाई हैं। इस बार उन राज्यों में कांग्रेस ने सीटें छोड़ी हैं, जहां पिछले चुनावों में उसने कोई सीट नहीं छोड़ी थी। इन राज्यों में गुजरात, गोवा, हरियाणा, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों के नाम लिए जा रहे हैं।

किसान आंदोलन से चकित

संयुक्त किसान मोर्चा से अलग होकर बने छोटे घटक संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनीतिक) के किसान आंदोलन के गति पकड़ लेने से सरकार ही नहीं किसान नेता भी चकित हैं। सरकार बार-बार छोटे घटक से बात करने के लिए अपने तीन मंत्रियों को चंड़ीगढ़ भेज रही है और कह रही है कि वह उनकी मांगों पर गौर करने के लिए तैयार है। वहीं मूल संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) भी छोटे घटक संयुक्त किसान मोर्चा (अराजनीतिक) के साथ हाथ मिलना चाहता है। इसके लिए उसने अपने छह नेताओं की कमेटी भी बना दी है। इसकी वजह यह है कि उस एसकेएम को सरकार पूछ नहीं रही है जिसके साथ उसने 2021 के किसान आंदोलन को स्थगित करने का समझौता किया था।

बलात्कार के आरोप में छत्तीसगढ़ी फिल्म अभिनेता गिरफ्तार

दुर्ग (भाषा)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अपनी करीबी रिश्तेदार को शादी का झांसा देकर पिछले 13 साल से कथित तौर पर बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने क्षेत्रीय सिनेमा के एक अभिनेता को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढी फिल्म के अभिनेता, निर्देशक और निर्माता मनोज राजपूत को 29 वर्षीय पीड़िता की शिकायत के आधार पर शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि पीड़िता ने 22 फरवरी की रात को पुराने भिलाई शहर के राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) थाने में शिकायत दर्ज कराई कि राजपूत उसके साथ शादी करने का झांसा देकर 2011 से उसका यौन शोषण कर रहा है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि महिला ने राजपूत पर अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने का भी आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि जब राजपूत ने पीड़िता से शादी करने से इनकार किया तब उसने पुलिस में शिकायत की। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी पर भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 377 और 506 तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के प्रावधान के तहत मामला दर्ज किया गया, क्योंकि जब वह नाबालिग थी तब से उसका कथित तौर पर शोषण किया जा रहा था।

पीएम ने छत्तीसगढ़ में दीं 34 हजार करोड़ की 10 विकास परियोजनाएं

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ संकल्प यात्रा' कार्यक्रम के दौरान छत्तीसगढ़ में 34 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की 10 विकास परियोजनाओं का शनिवार को डिजिटल माध्यम से लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को राजधानी रायपुर के बलबीर सिह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। उन्होंने इस दौरान छत्तीसगढ़वासियों को 34 हजार 427 करोड़ रुपये की 10 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास कर विकास कार्यों की बड़ी सौगात दी। इसमें 18 हजार 897 करोड़ रुपये की लागत वाली नौ परियोजनाओं का लोकार्पण तथा 15 हजार 530 करोड़ रुपये की एक परियोजना का शिलान्यास शामिल है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा, देश के विकास में छत्तीसगढ़ का विशेष योगदान है तथा विकसित छत्तीसगढ़ से ही विकसित भारत का सपना पूरा होगा। प्रधानमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ के पास परिश्रमी किसान है। प्रतिभाशाली नौजवान है और प्रकृति का खजाना है। इसके विकसित होने की सारी संभावना मौजूद है। उन्होंने कहा, आज छत्तीसगढ़ के विकास से जुड़ी लगभग 35 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। इनमें कोयले से जुड़े, सौर ऊर्जा से जुड़े और कनेक्टिविटी से जुड़ी अनेक परियोजनाएं हैं। इनसे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे। राज्य के अधिकारियों ने बताया, प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में कोयला मंत्रालय के अंतर्गत रायगढ़ क्षेत्र में

- 'विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ संकल्प यात्रा' कार्यक्रम के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लोकार्पण एवं शिलान्यास किया

173.46 करोड़ की 'ओपन कास्ट परियोजना' (ओसीपी) छाल कोल हैडलिग संयंत्र, दीपका क्षेत्र में 211.22 करोड़ की लागत के दीपका ओसीपी कोल हैडलिग संयंत्र, रायगढ़ क्षेत्र में 216.53 करोड़ की लागत के ओसीपी बरौद कोल हैडलिग संयंत्र का लोकार्पण किया।

तीनों परियोजनाओं से 'रैपिड लोडिग सिस्टम' के माध्यम से लदान के समय में कमी आएगी और ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन कम होगा। अधिकारियों ने बताया कि मोदी ने इसके साथ ही नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत 907 करोड़ रुपये की लागत से राजनांदगांव जिले के नौ गांवों के 451 एकड़ क्षेत्र में निर्मित 100 मेगावाट एसी/155 मेगावाट डीसी सौर ऊर्जा परियोजना का लोकार्पण किया। उन्होंने बताया, मोदी ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत 1,007 करोड़ रुपये की दो परियोजनाओं- अंबिकापुर से शिवनगर तक 52.40 किलोमीटर लंबाई की सड़क और बनारी से मसनियाकला तक 55.65 किलोमीटर लंबी सड़क (राष्ट्रीय राजमार्ग-49) का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत 15,799 करोड़ रुपये की परियोजना- 'लारा सुपर क्रिटिकल थर्मल पॉवर संयंत्र-चरण एक' का लोकार्पण भी किया। यह परियोजना छत्तीसगढ़ राज्य के रायगढ़ जिले में स्थित है और 'सुपरक्रिटिकल' (सुपरक्रिटिकल बिजली संयंत्र पानी के महत्वपूर्ण बिंदु से ऊपर के तापमान और दबाव पर काम करते हैं) प्रौद्योगिकी पर आधारित है। साथ ही मोदी ने रेल मंत्रालय के अंतर्गत 583 करोड़ की दो परियोजनाओं का लोकार्पण किया जिसमें 280 करोड़ की लागत वाला भिलाई में 50 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र और 303 करोड़ रुपये की लागत वाला बिलासपुर-उसलापुर फ्लाईओवर का लोकार्पण शामिल है।

प. बंगाल के मंत्री संदेशखालि पहुंचे, माकपा नेताओं को रोका

कोलकाता (भाषा)। पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में हालात का जायजा लेने के लिए राज्य के मंत्री सुजीत बोस और पार्थ भौमिक ने वहां का दौरा किया जबकि मीनाक्षी मुखोपाध्याय के नेतृत्व में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने उत्तर 24 परगना जिले में क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में जाने से रोक दिया।

राज्य के दमकल सेवा मंत्री बोस तथा सिचाई मंत्री पार्थ भौमिक ने संदेशखालि के विधायक सुकुमार महतो के साथ क्षेत्र का दौरा किया और ग्रामीणों से बात की तथा उनकी शिकायतें सुनी। मीनाक्षी मुखोपाध्याय के नेतृत्व में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के एक प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने गावों की ओर आगे बढ़ने से रोक दिया और इसके लिए धारा 144 लागू होने का हवाला दिया। उन्हें मझेर पारा इलाके में रोका गया जिसके बाद माकपा के कार्यकर्ताओं ने धरना दिया और पुलिस के खिलाफ नारे लगाए।

विजया भरतीय के नेतृत्व में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) की एक टीम ने शनिवार को दूसरे दिन संदेशखालि का दौरा किया। यह टीम तृणमूल कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा जमीन हड़पे जाने की आरोपों की जांच के सिलसिले में यहां पहुंची है। टीम का एक हिस्सा जिसमें तीन सदस्य शामिल थे वह जेलियाखालि गया, जबकि दो सदस्यों वाली टीम का दूसरा हिस्सा संदेशखालि पुलिस स्टेशन पहुंचा साथ ही उन्होंने ग्रामीणों से भी बात की। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (दक्षिण बंगाल) सुप्रतिम सरकार ने भी इलाके का दौरा किया। एक अधिकारी ने बताया कि इस बीच संदेशखालि के हलदर पारा इलाके में कुछ ग्रामीणों ने तृणमूल के एक समर्थक पर हमला करने की कोशिश की जिसके बाद इलाके में तनाव फैल गया लेकिन पुलिस ने हालात को काबू में कर लिया। इस बीच भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी ने संदेशखालि के हालात की तुलना नंदीग्राम से की जहां 2007-08 में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के 'जबरन' भूमि अधिग्रहण के खिलाफ आंदोलन से तृणमूल कांग्रेस 2011 में सत्ता में आई थी।

- भारतीय जनता पार्टी के नेता शुभेंदु अधिकारी ने संदेशखालि के हालात की तुलना नंदीग्राम से की

खिलाफ वोट करने पर आदिवासियों को प्रताड़ित करता था शाहजहां शेख

नई दिल्ली (भाषा)। पश्चिम बंगाल के संदेशखालि में जमीन हड़पने और यौन उत्पीड़न के आरोपी तृणमूल कांग्रेस के (टीएमसी) नेता शाहजहां शेख और उनके सहयोगी गरीब आदिवासी परिवारों से मनरेगा की मजदूरी जबरदस्ती ले लेते थे और पार्टी के खिलाफ वोट करने पर उन्हें प्रताड़ित करते थे। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) को यह जानकारी मिली है। शिकायतकर्ताओं ने उपाध्यक्ष अनंत नायक के नेतृत्व वाली एनसीएसटी की तीन सदस्यीय टीम को बताया गया कि पश्चिम बंगाल पुलिस ने शाहजहां और उसके साथियों को कथित तौर पर 'संरक्षण' दिया। जांच टीम दिल्ली वापस आ गई है और रिपोर्ट दाखिल करने की प्रक्रिया में है और रिपोर्ट सरकार को भेजी जाएगी।

नायक ने बताया कि आयोग को शाहजहां और उसके सहयोगियों द्वारा आदिवासी महिलाओं के यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने की 50 से अधिक शिकायतें मिली हैं। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित संदेशखालि में स्थानीय महिलाओं ने शाहजहां शेख और उसके समर्थकों पर जबरन जमीन हड़पने तथा वर्षों तक उनका यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है जिसके बाद से यह जगह सुर्खियों में है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर पांच जनवरी को भीड़ ने उस समय हमला कर दिया था जब उसने संदेशखालि में शाहजहां के आवास में प्रवेश करने की कोशिश की थी। शाहजहां तभी से फरार है। नायक ने कहा कि एनसीएसटी की टीम को पता चला है कि शाहजहां गरीब आदिवासी लोगों को अपनी मनरेगा की कमाई उसे देने का निर्देश देता था। एनसीएसटी के उपाध्यक्ष ने कहा कि शिकायतकर्ताओं ने, जिनमें से ज्यादातर हिंदू हैं, जांच टीम को बताया कि आरोपी और उसके सहयोगियों ने चुनाव में अन्य पार्टियों को वोट देने वाले लोगों को प्रताड़ित किया।

- संदेशखलि का दौरा करने वाली राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति, आयोग की जांच टीम को मिली जानकारी

शनिवार को मुरादाबाद में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी।

एशियाई खेलों के पदक विजेता सैन्य कर्मियों को मिलेगा नकद पुरस्कार

नई दिल्ली (भाषा)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने पिछले साल एशियाई खेलों और एशियाई पैरा खेलों में पदक जीतने वाले सशस्त्र बल के जवानों को 25 लाख रुपये तक के नकद पुरस्कार को मंजूरी दी है।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में कहा, एशियाई खेलों के साथ ही एशियाई पैरा खेलों दोनों में स्वर्ण पदक जीतने वालों को 25 लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं को 15 लाख रुपये और कांस्य पदक विजेताओं को 10 लाख रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिह ने सितम्बर-अक्टूबर 2023 में चीन के हांगझोऊ में आयोजित 19वें एशियाई खेलों और चौथे एशियाई पैरा खेलों में पदक जीतने वाले सशस्त्र बलों के जवानों के लिए वित्तीय प्रोत्साहन को मंजूरी दे दी है। कई सैन्य एथलीट ने खेलों में देश को गौरवान्वित किया था और सिंह ने उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सम्मानित किया था। रक्षामंत्री ने सात पैरा एथलीट सहित 45 पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार देने की भी मंजूरी दी। बयान के अनुसार, इन 45 एथलीट ने एशियाई खेलों में नौ स्वर्ण, 18 रजत और 17 कांस्य पदक जीते और एशियाई पैरा खेलों में एक स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य पदक जीते थे। बयान में कहा गया, सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा पहली बार घोषित वित्तीय प्रोत्साहन, इन एथलीट को पेरिस ओलंपिक गेम्स 2024 की क्वालीफाइंग स्पर्धाओं में और भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा, जिसके लिए वे वर्तमान में तैयारी कर रहे हैं।

एमएलसी विशाल सिंह चंचल ने व्यापारियों संग सुनी मन की बात का 110वां एपिसोड

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 110वें एपिसोड के जरिए लोगों को संबोधित किया। इस दौरान गाजीपुर जनपद के शक्ति केन्द्र रायगंज बूथ संख्या 258 पर विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल जनपद मे व्यापारियों के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस दौरान कार्यक्रम मे आए हुए व्यापारियों की समस्याओं बारी - बारी करके सुना। जनपद मे संचालित रेड क्रास सोसायटी के लोगो ने बताया की उनके संगठन खाते मे लगभग 50 लाख पड़े है जिसका उपयोग नही कर पा रहे है जिसके समन्धित सोसायटी के लोगो ने एमएलसी से आग्रह किया की जिलाधिकारी से बात कर उसे जनहित मे प्रयोग लाने हेतु आग्रह किया। व्यापारियों ने स्टीमर घाट पर पार्किंग की समस्या से अवगत कराया तथा महाराजगंज से जमानिया मोड तक सड़क किनारे लाइट और डिवाइडर तथा रोडवेज रोड को ओवर ब्रिज से जोड़ने का प्रस्ताव हेतु चर्चा किया। एमएलसी

ने केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के संबंध में व्यापारियों के अनुभवों को परखने का प्रयास किया। व्यापारियों ने बताया कि पूर्व की सरकारों की अपेक्षा वर्तमान की भारतीय जनता पार्टी सरकार में आप सभी व्यापारी अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एमएलसी ने सभी व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि आप सभी के द्वारा दिए गए सुझावों को मेरे द्वारा नोट किया जा रहा है जिसका समाधान जल्द से जल्द करने का प्रयास किया जाएगा। कहाँ की आगे से जब भी जनपद स्तरीय व्यापारियों की मीटिंग होगी मैं भी उस बैठक में उपस्थित रहूंगा तथा वहां उपस्थित संबंधित अधिकारियों को आप सभी के हित में जो भी बढ़िया कार्य हो सकता है उसके लिए मैं भी अपने सुझाव रखने का कार्य करूंगा। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख बिरनो राजन सिंह, बच्चा तिवारी, हरिशंकर तिवारी, चेयरमैन प्रतिनिधि विनोद अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष विजय शंकर वर्मा, जिलाध्यक्ष विशाल चौरसिया, नितिन अग्रहरि, मयंक तिवारी, योगेश सिंह, संजय जयसवाल, पूर्व सभासद कुंवर बहादुर सिंह, जय सूर्य भट्ट, श्रीमती अर्चना भट्ट, लव दत्त त्रिवेदी, शशांक अग्रवाल, अमित मोहन पांडे, मनीष जायसवाल, सुरेंद्र सिंह, अंगद सहित अनेको लोग उपस्थित रहे।

अजगरा विधानसभा की मण्डल कार्यशाला संपन्न

प्रखर दानगंज वाराणसी। अजगरा विधानसभा के चोलापुर मंडल में लाभार्थी संपर्क अभियान की मण्डल कार्यशाला संपन्न हुई जिसमें ज़िला मीडिया प्रभारी श्रीनिकेतन मिश्र जी , लाभार्थी अभियान संयोजक शैलेंद्र सिंह जी , मण्डल प्रभारी विनोद रस्तोगी , ज़िला कार्यसमिति सदस्य श्वेतांक तिवारी , मण्डल अध्यक्ष विनोद सिंह , मण्डल मीडिया प्रभारी राहुल चौबे , रितेश सिंह जी , रीता मौर्य, गुंजा राय,नीतू मौर्य, सुभाष सिंह, राजीव, पांडे ,प्रमोद पांडे अरविंद सेठ आदि लोग उपस्थित रहे।

जिले के वरिष्ठ पत्रकार के आकस्मिक मृत्यु पर डाक बंगले पर शोक सभा का हुआ आयोजन

प्रखर संतकबीरनगर। जिला मुख्यालय खलीलाबाद शहर में स्थित डाक बंगले पर संतकबीर नगर प्रेस क्लब के पत्रकारों के द्वारा शोक सभा का आयोजन किया गया। आपको बता दे की संतकबीरनगर जिले के डीडी न्यूज के वरिष्ठ पत्रकार सुहैल अहमद की आकस्मिक मृत्यु की खबर से जिले के सभी पत्रकार स्तब्ध हो गए। डाक बंगले पर दर्जनों की संख्या में पत्रकार एकत्रित हुए और 2 मिनट का मौन धारण कर सुहेल अहमद के आत्मा को शांति देने के लिए भगवान से प्रार्थना किया। इस मौके पर शोक सभा में उपस्थित पवन श्रीवास्तव,रमेश शर्मा,बाबुल श्रीवास्तव,संजय कुमार यादव, राजेश्वर चंद्र,नवनीत श्रीवास्तव, सदरे आलम , मोहन राजभर,जितेंद्र पाठक, आशुतोष त्रिपाठी,गोरखनाथ मिश्रा,साहिल खान, गणेश चौरसिया,रितेश उपाध्याय,विजय गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहे।

बहुगुणा जोशी ने उर्दू को रोजी रोटी से जोड़ा : साजिद आजमी

प्रखर खेतासराय जौनपुर। देश की राजनीति में नई छाप छोड़ने दिग्गज राजनीतिज्ञ पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा जोशी एक धर्मनिरपेक्ष नेता रहे । सामाजिक समरस्ता के लिए अजीवन संघर्ष किया । उर्दू को रोजी रोटी से जोड़ा । सैकड़ो को लोगों को उन्हें नौकरी दी । उन्हीं की स्मृति में आजमगढ़ जिले में ऑल इंडिया कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है । उक्त बातें बहुगुणा जोशी समिति आजमगढ़ के जिलाध्यक्ष साजिद आजमी ने रविवार को कही । वह क्षेत्र के मनेछे बाजार में पत्रकारो को आयोजन से जुड़ी जानकारी देते रहे थे । उन्होंने कहा कि आजमगढ़ जिले के उनके पैतृक गांव कवरा गहनी में तीन मार्च को कार्यक्रम प्रस्तावित है । जिसमें कई प्रदेशों से उर्दू और हिंदी साहित्य के बड़े कवि

और कवयित्री शामिल होंगे । स्व पूर्व सीएम के पुत्री सांसद रीता बहुगुणा जोशी के साथ कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल के अलावा सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता जेडके फैजान व अन्य राजनीतिज्ञ हिस्सा लेंगे । नाम चीन शायर मंजर भोपाली, जौहर कानपुरी, कुँवर जावेद, शबीना अदीब, हिमांशी बाबरा, नूरी परवीन सहित दो दर्जन कवि की उपस्थिति रहेंगी । सर सैयद एजुकेशनल सोसाइटी के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में 11 लोगों को बहुगुणा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा जिसमें स्वतन्त्रता सेनानी, चिकित्सक, अधिवक्ता, साहित्यिक हस्ती व पत्रकार शामिल होंगे । वार्ता में पत्रकार यूसुफ खान, अजीम सिद्दीकी, हाजी जियाउद्दीन, अब्दुर्रहमान समेत अन्य लोग शामिल रहे।

निःशुल्क मेडिकल चैकअप कैंप में 200 लोगों ने करवाई जांच

शिवमूरत फामेर्सी कॉलेज के परिसर में किया गया निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन

प्रखर थानागद्दी जौनपुर। शिवमूरत फामेर्सी कॉलेज की ओर से रग्घुपुर बेहड़ा गांव में निःशुल्क मेडिकल चैकअप कैंप लगाया गया तथा लोगों को हैल्थ व डाइट तथा न्यूट्रिशन के बारे में जानकारी दी। कैंप का शुभारंभ संस्था के चेयरमैन कैलाश सिंह, डायरैक्टर जिलेदार सिंह व प्रिंसिपल शैलेन्द्र सिंह ने संयुक्त तौर पर रीबन काटकर किया। कॉलेज के चैयरमैन कैलाश सिंह ने बताया कि कॉलेज के छात्र छात्रओं व गांव के लोगों को डायबिटीज, गुलूकोमा, ब्लड प्रैशर, शुगर आदि बीमारियों की जांच के साथ-साथ सलाह दी जा रही है। इस दौरान डा नूतन सिंह व रिंकी ने कैंप में 200 के करीब लोगों का चैकअप कर इन बीमारियों की सावधानियों व बचाव

संबंधी जानकारी दी। संस्था के चेयरमैन कैलाश सिंह ने कैंप की सफलता के लिए सभी का धन्यवाद किया तथा आने वाले समय में अन्य बीमारियों के लिए भी कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान राहुल सिंह, जय प्रकाश यादव, पंकज सिंह, पंकज यादव अन्य रहे।

जीवन में आनेवाले दुखों का स्थायी समाधान साधना है : सनातन संस्था

प्रखर समस्तीपुर। आज संपूर्ण विश्व में ही युद्धजन्य स्थिति हो गई है । अनेक संतों के साथ-साथ फ्रांस के प्रसिद्ध भविष्यवक्ता नॉस्ट्रेडॉमस ने 400 वर्ष पूर्व ही कहा था कि यह तीसरा विश्वयुद्ध इतना महाभयंकर होनेवाला है कि आपको पहले दो विश्वयुद्ध खिलौने की भांति लगेंगे !! ऐसे आपातकाल में भगवान ही रक्षा कर सकते हैं । ऐसे वक्तव्य सनातन संस्था की श्रीमती रेणु झा ने बारह पत्थर स्थित काली सदन में सनातन संस्था द्वारा आयोजित प्रवचन में दिए । उन्होंने आगे कहा कि संपूर्ण विश्व से लोग मनःशांति के लिए भारत आते हैं; परंतु दुर्भाग्यवश अध्यात्म अथवा साधना की शिक्षा न मिलने से ही आज हमारी स्थिति कस्तुरीमृग जैसी बन गई है । जीवन की 80 प्रतिशत समस्याओं का कारण आध्यात्मिक होता है ! इन आध्यात्मिक कारणों से जीवन में आनेवाले दुखों को दूर करने के लिए साधना ही उपाय है । भगवान की प्राप्ति के लिए आवश्यक उपासना की पद्धति प्रत्येक युग के लिए भिन्न-भिन्न है । कलियुग में नामजप ही सर्वश्रेष्ठ साधना है । पितृदोषों के कारण जीवन में अनेक कष्ट भोगने पडते हैं । इसलिए पितृदोष दूर करने के भगवान दत्तात्रेय जी का नामजप ॥ श्री गुरुदेव दत्त ॥ का नामजप न्यूनतम 1 घंटे सभी को करना चाहिए । साथ ही अपनी ऐहिक और पारमार्थिक उन्नति के लिए ॥ श्री कुलदेवतायै नमः ॥ यह नामजप सभी को अधिकाधिक करना चाहिए । नामजप की विशेषता यह है कि उसे स्थल एवं काल का बंधन नहीं है, इसका अर्थ उठते-बैठते, प्रवास करते समय, घर के अथवा कार्यालय के काम करते समय हम नामजप कर सकते हैं । इसलिए सभी साधना कर अपने मनुष्य जीवन को सुरक्षित और सार्थक करें । साधना की आवश्यकता

को सुनकर उपस्थित सभी जिज्ञासुओं ने साधना करने की इच्छा दर्शायी । सच्चिदानंद परब्रह्म डॉ. जयंत आठवले जी द्वारा स्थापित सनातन संस्था हिन्दू धर्म में बताए जानेवाले प्रत्येक कृति का धर्मशास्त्र वैज्ञानिक परिभाषा में बताना तथा आध्यात्मिक उन्नति हेतु साधना हेतु मार्गदर्शन गत 25 वर्षों से कर रही है ।

मंगेरा गांव में ग्रामीणों ने सुनी मन की बात

प्रखर संतकबीरनगर। मोदी के मन की बात 110 वें संस्करण को सेमिरियावा खलीलाबाद सन्त कबीर नगर के ग्राम पंचायत चंगेरा मंगेरा के ग्राम मंगेरा में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जल सत्याग्रह आन्दोलन राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय राजभर संगठन ने सेक्टर अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता के आवास पर सेक्टर अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता एवं ग्रामीणों द्वारा आयोजित करके सुनाया गया आयोजन के मुख्य अतिथि शैलेश कुमार राजभर प्रवासी सेक्टर प्रभारी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा गोरखपुर क्षेत्र राष्ट्रीय महासचिव अखिल भारतीय राजभर संगठन राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय जल सत्याग्रह आन्दोलन ने मन की बात 110 वें संस्करण को सेक्टर अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता बूथ अध्यक्ष संतोष चौहान व सैकड़ों ग्रामीणों के साथ सुना एवं कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नीतियों को देवतुल्य महान कार्यकताओं और देवतुल्य उजार्वान कार्यकताओं के उत्साह के बल पर पुनः 2024 में

प्रचण्ड बहुमत से तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी बनेंगे और राष्ट्र विश्व गुरु और परम वैभव को प्राप्त करते हुए विकसित राष्ट्र होगा आगे कहा कि जिस तरह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के मन की बात को ग्रामीण अपना मूल्यवान समय निकालकर उमंग और उत्साह उर्जा लगाकर ध्यान से सुन रहे हैं और मन की बात पर अमल व चर्चा करते हुए नरेंद्र मोदी जी से प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं यह इस बात को प्रमाणित करता है कि नरेन्द्र मोदी जी 2024 में भी भारी बहुमत से जीतकर तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे और विश्व के शक्तिशाली देशों में भारत राष्ट्र को विश्व का अग्रणी शक्तिशाली विकसित राष्ट्र बनायेंगे इस अवसर पर सेक्टर अध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता, बूथ अध्यक्ष गण संतोष चौहान, अर्जुन सिंह,ठाकुर गोंड, रामदीन राजभर आदि रहें।

नए मतदाता अपना पहला मत देश व राष्ट्र के नाम करें : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। आज मन की बात का 110 वां एपिसोड भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा के नेतृत्व में बूथ संख्या 209पर जखनिया बाजार वासियों के साथ सुना। उक्त अवसर पर व्यापार प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के भविष्य को प्रगति के राह पर ले जाने के लिए तत्पर है। वर्मा ने कहा जिस प्रकार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद भारत ने हर क्षेत्र में विकास किया है वह ऐतिहासिक है। और जो उनका सपना है कि हमारे देश के नौजवान, किसान, माताएं शोषित वंचित गरीब लोगों का उत्थान हो और यह राष्ट्र आजादी के 100वे स्वतंत्रता दिवस 2047 में विकसित राष्ट्र हो निश्चित रूप से उनके द्वारा किए गए प्रयासों से यह संभव नजर आ रहा है। वर्मा ने प्रधानमंत्री के बात को आत्मसात करते हुए कहा कि जितनी अधिक संख्या में युवाओं की मतदान प्रक्रिया में भागीदारी होगी, देश के

लिए परिणाम उतने ही लाभकारी होंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की अत्यंत प्रसन्नता है कि निर्वाचन आयोग ने मेरा पहला वोट देश के लिए अभियान शुरू किया है। इसके जरिए पहली बार वोट डालने वाले मतदाताओं से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने का अनुरोध किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत को ऊर्जा और उत्साह से भरे अपने युवाओं पर गर्व है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष का होने पर इन युवाओं को 18वीं लोकसभा के लिए सदस्य चुनने का अवसर मिल रहा है। इसका अर्थ है कि 18वीं लोकसभा युवा आकांक्षाओं का प्रतीक बनेगी। श्री मोदी ने कहा कि युवाओं को केवल राजनीतिक गतिविधियों का ही हिस्सा नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें इस दौरान विचार-विमर्श और चचाओं के प्रति भी जागरूक होना चाहिए। आठ मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि यह विशेष दिन देश की विकास यात्रा में महिला शक्ति के योगदान को नमन करने का अवसर है। महाकवि भरतियार ने कहा था कि विश्व तभी समृद्ध होगा, जब महिलाओं को समान अवसर मिलेंगे। मोदी ने कहा कि भारत की महिला शक्ति आज प्रत्येक क्षेत्र में प्रगति की नई ऊंचाइयों का स्पर्श कर रही है। नमो ड्रोन दीदी की चर्चा हरेक की जुबान पर है। मन की बात कार्यक्रम में मोदी ने उत्तर प्रदेश के सीतापुर की नमो ड्रोन दीदी सुनीता से बातचीत की। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष धर्मवीर राजभर, उपाध्यक्ष शिव शंकर चौहान, महामंत्री पीयूष सिंह, अनिल जायसवाल, अशोक यादव, संजय सिंह, बिंदु गुप्ता, गुड़िया देवी, रेखा देवी, यशोदा देवी, गोलू गुप्ता, संतोष राजभर, प्रकाश राजभर, आदित्य वर्मा, विपिन गुप्ता, संजय सहित प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

कसया वृद्धाश्रम के वृद्धजन होंगे साक्षर

प्रखर कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा देश को साक्षर बनाने में अपना योगदान देते हुए हर हाथ कलम अभियान चलाकर पढ़े लिखे लोगों के सहयोग से अनपढ़ों को साक्षर बनाने का प्रयास किया जा रहा। इस क्रम में रविवार को कसया नगर स्थित वृद्धाश्रम पर संस्था द्वारा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर वृद्धजनों को शिक्षा के महत्व से अवगत कराते हुए साक्षर बनने की अपील की गई। कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव रहा और वृद्धाश्रम की प्रबंधक रज्जो राजा के देख रेख में वृद्धजन साक्षर बनने को तैयार हुए। वृद्धजनों को आश्रम परिवार के लोग साक्षर करेंगे और इस निमित्त सभी वृद्धजनों को नयी दिशा द्वारा स्लेट, चॉक व किताब भेंट किया गया। नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने कहा कि हर घर में पढ़े लिखे लोग हैं। वे केवल अपने परिवार को शिक्षित कर लें तो अंगूठा छाप होने का जो कलंक है वो आसानी से मिट जाएगा। डॉ0 हरिओम ने बताया कि संस्था का प्रयास पढ़े लिखे लोगों के माध्यम से शिक्षा का दीप जलाना है। जन सहयोग से यह कार्यक्रम भी सफल होगा। इस अवसर पर सामुदायिक

स्वास्थ्य केंद्र कसया के एसटीएलएस आशुतोष मिश्र, समाजसेवी राजू जायसवाल, सेना से सेवानिवृत्त संतोष राव, मनोविज्ञानी अभिषेक श्रीवास्तव, प्रकाम्य चतुवेर्दी, आशुतोष चतुवेर्दी, वृद्धाश्रम की प्रबंधक रज्जो राजा, विकास श्रीवास्तव, रामा प्रजापति, रुचि सिंह, मनोज पांडेय आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

जौनपुर के आधा दर्जन से अधिक थानाध्यक्ष हुए इधर से उधर

प्रखर जौनपुर। देर रात एसपी जौनपुर डॉक्टर अजय पाल शर्मा ने जिले के आधा दर्जन से ज्यादा थानाध्यक्षों के कार्य क्षेत्र में फेरबदल किया है। बतादे कि रोहित मिश्रा को सुजानगंज से बदलापुर थानाध्यक्ष, महेश पाल को वाचका पुलिस अधीक्षक से प्रभारी निरीक्षक सुजानगंज, अवशेषनाथ को प्रभारी निरीक्षक बदलापुर से प्रभारी निरीक्षक मछली शहर, घनानंद त्रिपाठी प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ से वाचक पुलिस अधीक्षक, चंदन राय को गौराबादशाहपुर से चंदवक थाने की कमान, बृजेश कुमार गुप्ता को आईजीआरएस सेल से थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर, महेश कुमार सिंह थाना अध्यक्ष चंदवक से प्रभारी शिकायत प्रकोष्ठ, यजेंद्र कुमार सिंह थानाध्यक्ष मछलीशहर से प्रभारी आईजीआरएस सेल बनाया गया है।

दानगंज का यूनियन बैंक बना चोरों का पहला पसंद निशाने पर बैंक

प्रखर दानगंज वाराणसी। चोलापुर थाना क्षेत्र के दानगंज बाजार स्थित यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की शाखा चोरों के निशाने पर है। बैंक के पिछले हिस्से में कुछ दिन पहले सेंध लगा कर चोरी का प्रयास किया गया था। सूचना पाकर आई चोलापुर थाने की पुलिस के कहने पर बैंक के पिछले हिस्से में चार लाइट लगाकर निगरानी की व्यवस्था की गई थी। शुक्रवार रात चोर बैंक के पीछे लगी लाइट भी चुरा ले गए।

फेडरेशन कप में बच्चों ने जीते मेडल

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। विगत दिनों प्रतापगढ़ में आयोजित फेडरेशन कप कराटे प्रतियोगिता में सुरक्षा कराटे अकादमी वाराणसी के बच्चों ने प्रतिभाग करते हुए शानदार प्रदर्शन किया और पांच गोल्ड मेडल सहित स्कूल 10 मेटल जीते जिसमें मोनिका पटेल गोल्ड मेडल,दक्ष प्रताप चंद्रा गोल्ड मेडल,आयुष कुमार गोल्ड मेडल,यस सिंह सिल्वर मेडल ,निकिता चौहान सिल्वर मेडल प्राप्त किया स्कूल के संस्थापक अजय यादव ने बच्चों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया संस्था के कोच किशन सेठ मौजूद थे।

पंजाबी अस्पताल में आयोजित हुआ निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर

प्रखर पूर्वांचल वाराणसी। लायंस क्लब वाराणसी सिल्क सिटी द्वारा 25 फरवरी 2024 को सलारपुर स्थित पंजाबी अस्पताल में आयोजित निःशुल्क मोतियाबिंद शिविर में 25 फरवरी रविवार को क्लब के सदस्यों द्वारा 35000 रुपए की धनराशि डॉ. अनुराग टंडन एवं कार्यवाहक अध्यक्ष बाबा टंडन को दी गई। क्लब के अध्यक्ष ला.आलोक कृष्ण अग्रवाल ने बताया कि क्लब द्वारा दी गई राशि से गरीब एवं निर्धन व्यक्ति का आपरेशन पंजाबी अस्पताल में डॉ अनुराग टंडन द्वारा किया जायेगा। कार्यक्रम संयोजक ला.राकेश ढोडी एवं ला. आनंद तोदी थे इस अवसर पर ला. आलोक कृष्ण अग्रवाल (अध्यक्ष) ला. राजीव , ला. गौरव, ला.रूपेश, ला.राकेश, ला.संजय आदि लोग उपस्थित थे।

आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर एसोशिएशन उत्तर प्रदेश के जनपद वाराणसी के ब्लाक चिरईगांव के राशन डीलरों की बैठक हुई

प्रखर चौबेपुर वाराणसी। आल इणियन फेयर प्राइज शाप डीलर एसोशिएशन उत्तर प्रदेश के जनपद वाराणसी के ब्लाक चिर ईगांव के राशन डीलरो की बैठक गौराकला बाजार ठुठवा बाबा मंदिर पर रखी गई जिसकी अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने किया।बैठक में समस्त विक्रेता उपस्थित थे।न ई वोईग कांटा मशीन तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा किया गया तथा संगठन को मजबूत करने की दशा में गहन विचार विमर्श किया गया। बैठक में जिला अध्यक्ष लक्ष्मीकांत पाण्डेय ब्लाक अध्यक्ष हरिशंकर यादव जिला महासचिव अशोक कुमार संजय कुशवाहा सुनील गुप्ता सर्वजीत मटरू राय अजय सहगल राजेन्द्र यादव संदीप मिश्रा प्रमोद यादव भुल्लन यादव हौसिला गुप्ता चिन्टू गुप्ता आदि लोग उपस्थित थे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं